हरिभूमि

# जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 29 मार्च 2026

**तापमान**

अधिकतम 34 .7 डिग्री
न्यूनतम 16 .0 डिग्री

### गुलाब मंडी से सुंदर नगर तक बनी सड़क

**अंबाला।** ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के दिशा निर्देशों अनुसार वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी कपिल विज ने कैंटोनमेंट बोर्ड के वार्ड नंबर 7 में विकास कार्यों को गति देते हुए गुलाब मंडी से सुंदर नगर तक चमड़ा फैक्ट्री वाली रोड का उद्घाटन कर इसे जनता को समर्पित किया। इस सड़क के बनने से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी और लंबे समय से चली आ रही समस्या का समाधान होगा। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय निवासियों ने कपिल विज के समक्ष अपनी मांगें रखीं जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए उन्होंने मौके पर ही मौजूद छावनी परिषद के उपाध्यक्ष अजय बवेजा और इंजीनियर सतीश गुप्ता को दूधला मंडी की सड़क बनाने व वहां पर ओपन जिम लगाने के संबंध में निर्देश दिए।

## खबर संक्षेप

### नहर से बुजुर्ग का शव बरामद

**कुरुक्षेत्र।** झांसा गांव के पास सतलुज-यमुना लिंक नहर में एक बुजुर्ग का शव बहता हुआ मिला है। इसकी सूचना पाकर डायल-112 टीम ने गोताखोर प्रगट सिंह को मौके पर बुलाया। गोताखोर प्रगट सिंह ने शव को नहर से बाहर निकाला और पुलिस को सौंप दिया। घटना रात करीब 8 बजे की है। पुलिस के मुताबिक, शव पंजाब की तरफ से बहकर आया लगता है। शुरूआती जांच में सुसाइड का मामला सामने आ रहा है। बुजुर्ग के शरीर पर कहीं कोई चोट या जख्म के निशान नहीं मिले हैं। बुजुर्ग भूरे रंग का लोअर और सफेद रंग का लंबा कुर्ता पहने हुए थे।

### नेशनल हाईवे पर मशरूम से भरा कैंटर पलटा

**तरावड़ी।** दिल्ली-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर आज सुबह 4 बजे कुरूक्षेत्र से सोनीपत जा रहा मशरूम से भरा एक कैंटर असंतुलित होकर पलट गया। हादसा तरावड़ी के पास सर्विस लेन पर हुआ, जहां वाहन पेड़ों के बीच जाकर अटक गया। हादसे के बाद कैंटर में भरी मशरूम की पेटियां सडक़ पर बिखर गईं, जिससे आसपास का नजारा अव्यवस्थित हो गया। मौके पर ड्राईवर दीपक के अनुसार कार को रास्ता देते हुये अचानक ब्रेक लगाने के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया और कैंटर पलट गया।

### कार ने बाइक सवार को कुचला, युवक की मौत

**बराड़ा।** गांव तंदवाली के पास हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान दीप रमन (उम्र करीब 30 वर्ष) वासी गांव हरयोली नगला जट्टान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दीप रमन 27 मार्च की सुबह अपने घर से मोटरसाइकिल पर रोजाना की तरह काम के लिए निकला था। वह ट्रैक्टर से किराये का काम करता था। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों को चिंता हुई, लेकिन अगले दिन सुबह करीब 5 बजे उन्हें सूचना मिली कि तंदवाली के पास उसका एक्सीडेंट हो गया है और उसे एमएमयू अस्पताल मुलाना में भर्ती कराया गया है।

### खून संघर्ष के मामले में 13 आरोपियों पर केस दर्ज

**अंबाला।** बाजीगर बस्ती में वीरवार को हुए खूनी संघर्ष के मामले में पुलिस ने लड़के पक्ष के 13 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई लड़की के दादा कर्मचंद की शिकायत पर की गई है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ने टीमों का गठन कर दिया है। कर्मचंद ने बताया था कि परिजनों के साथ इस मसले पर बात करने के लिए बाजीगर बस्ती में आए थे।

# सीएम ने अयोध्या के लिए तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को किया रवाना

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| अंबाला

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शनिवार को अंबाला से अयोध्या के लिए तीर्थ यात्रियों की विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने अगले महीने अप्रैल के आखरी सप्ताह में श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा ( नांदेड़ , महाराष्ट्र) के लिए तीर्थ यात्रियों हेतु विशेष ट्रेन चलाने का भी ऐलान किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने तीर्थ यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन पूरे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और भावुक क्षण है। भगवान श्रीकृष्ण की इस पावन धरा से भगवान श्रीराम की जन्मभूमि, अयोध्या धाम के लिए इस विशेष तीर्थ ट्रेन को रवाना कर रहे हैं तो उनको बड़े गर्व और गौरव का अनुभव हो रहा है। उन्होंने यात्रियों को बधाई देते हुए कहा कि अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का दिव्य, भव्य एवं नव्य मंदिर भारत का गौरव है। हम सबके पुण्य कर्मों का ही फल है कि हम अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने हैं और अब उनके दर्शन के लिए जाने का सौभाग्य मिला है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि अयोध्या की यह यात्रा केवल एक भौतिक सफर नहीं है यह एक आध्यात्मिक परिवर्तन की यात्रा है। जब आप सरयू नदी के तट पर खड़े होंगे, जब आप हनुमानगढ़ी के दर्शन करेंगे। जब आप उस भव्य राम मंदिर की दहलीज को छूएंगे तो आपको उस ऊर्जा का अनुभव होगा जिसने देश को विश्व गुरु बनाया था। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने तीर्थ यात्रा के लिए रेलवे के साथ अनुबंध किया है। उसके बाद पहली ट्रेन से सात जिलों के 700 से अधिक बुजुर्गों को भेजा जा रहा है। इस यात्रा को आरामदायक बनाने के लिए ट्रेन में खान-पान और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए वे रेलवे विभाग के अधिकारियों का भी धन्यवाद करते हैं जिन्होंने विशेष प्रबंधों को सुनिश्चित किया ताकि हमारे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

## अप्रैल के आखिरी सप्ताह में नांदेड़ साहब के लिए भी जाएगी श्रद्धालुओं की ट्रेन

### मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से बुजुर्गों को लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का यह संकल्प है कि प्रदेश के बुजुर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के श्रद्धालु, धन के अभाव में तीर्थ यात्रा से वंचित न रहें। इसी उद्देश्य से सरकार ने 'मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना की शुरुआत की है। यह ट्रेन उसी वादे और विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी कैथल, करनाल, अंबाला और जींद से बसों के माध्यम से अयोध्या में श्रीराम लला के दर्शन करवाए थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या जैसे तीर्थ भारतीय संस्कृति के जीवन की ऊर्जा के स्रोत हैं। भारतीय सभ्यता की पालक रहीं मां सिंधु नदी के दर्शन के लिए भी स्वर्ण जयंती सिंधु दर्शन योजना चलाई जा रही है। इसके तहत 10 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री (अधिकतम 50 यात्रियों तक) वार्षिक वित्तीय सहायता देने का प्रावधान है। इसी प्रकार कैलाश मानसरोवर यात्रा योजना के तहत 50 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री (अधिकतम 50 यात्रियों तक) वार्षिक वित्तीय सहायता देने का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि स्वर्ण जयंती गुरु दर्शन यात्रा योजना के तहत श्री हजूर साहिब गुरुद्वारा (नांदेड), श्री ननकाना साहिब, श्री हेमकुंड साहिब और श्री पटना साहिब जाने वाले प्रदेश के तीर्थ यात्रियों को 6 हजार रुपये प्रति तीर्थ यात्री वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने सभी तीर्थ यात्रियों को मंगलमयी यात्रा की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर सूचना, जन संपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. मकरंद पांडुरंग ने मुख्यमंत्री का यहां पहुंचने पर स्वागत करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या धाम के लिए रवाना करने का काम किया है। यह क्षण न केवल हमारे बुजुर्गों के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है।

## शिकायत व समस्या के लिए टोल फ्री नंबर 01744-294418 पर करें संपर्क : नरेश कुमार

# पीएनजी के 8500 कनेक्शन, ऑनलाइन प्रक्रिया से सरेंडर करें एलपीजी कनेक्शन

***कालाबाजारी, जमाखोरी व अनधिकृत प्रयोग रोकने के लिए उपमंडल स्तर पर नियुक्त किए हुए हैं नोडल अधिकारी***

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| कुरुक्षेत्र

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि एलपीजी गैस के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत व समस्या के लिए जिला खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा टोल फ्री नंबर 01744-294418 जारी किया है। सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक कोई भी नागरिक इस नंबर पर फोन करके अपनी रिपोर्ट दर्ज करवा सकता है। उस रिपोर्ट के आधार पर उनकी समस्याओं व शिकायतों का विभाग की तरफ से समाधान किया जाएगा। इस टोल फ्री नंबर के लिए विभाग के कर्मचारी राघव व रोहित की ड्यूटी तय की है। जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा के आदेशानुसार एलपीजी की कालाबाजारी, जमाखोरी व अनाधिकृत प्रयोग रोकने के लिए उपमंडल स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए हुए हैं। ये नोडल अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि थानेसर, झांसा, अमीन, कुरुक्षेत्र व पिपली के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी रामपाल, लाडवा व बाबैन के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी बृजमोहन, शाहाबाद व ठोल के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी चरणजीत व निरीक्षक गौरव अरोड़ा और पिहोवा व इस्माईलाबाद के लिए सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी जसबीर सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

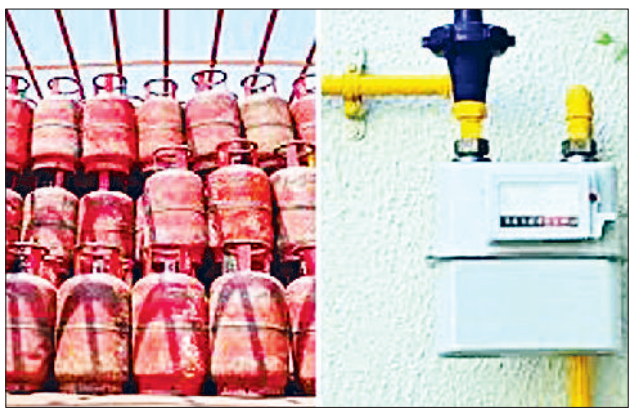

### ढाबा व रेस्टोरेंट को करना होगा पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि ढाबा व रेस्टोरेंटों ने पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन करना होगा। इस आवेदन की प्रति दिखाकर कमर्शियल सिलेंडर मिल पाएंगे। यह सिलेंडर तब तक मिलेगी जब तक पीएनजी कनेक्शन नहीं हो जाता। अगर किसी ढाबे या रेस्टोरेंट पर पीएनजी कनेक्शन लगना मुश्किल है और संबंधित एजेंसी इसका प्रमाण पत्र दे देती है तब संबंधित ढाबे या रेस्टोरेंट को कमर्शियल गैस सिलेंडर मिल पाएगा।

### ऑनलाइन प्रक्रिया से सरेंडर करे एलपीजी कनेक्शन

जिला खाद्य आपूर्ति नियंत्रक नरेश कुमार ने कहा कि भारत पेट्रोलियम शेपिंग द्वारा एलपीजी कनेक्शन सरेंडर करने की ऑनलाइन प्रक्रिया जारी की है। यह एक आसान डिजिटल प्रोसेस है। इससे प्रक्रिया से कोई भी अपना एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर सकता है। इसके लिए किसी डीलरशिप विजिट की जरूरत नहीं है। इसके लिए माई पीएनजीडी डॉट इन वेबसाइट पर जाएं। इसके बाद पिकअप, डॉक्यूमेंटेशन और रिफंड डिस्ट्रीब्यूटर का चयन करें। इस समय जिला के पीएनजी के 8500 कनेक्शन है।

## व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को मिलेगा पीएनजी कनेक्शन

■ खाद्य आपूर्ति विभाग ने घरेलू गैस से जूझ रहे कारोबारियों को राहत देने का लिया फैसला, अमेरिका-ईरान युद्ध की वजह से घरेलू व कमर्शियल गैस की सप्लाई हो रही है बाधित

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| अंबाला

ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से घरेलू गैस की किल्लत से जूझ रहे व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को अब बड़ी राहत मिलने जा रही है। खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से अब अब व्यवसायिक प्रतिष्ठान और उद्योगपति पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) गैस के कनेक्शन ले सकेंगे। प्रशासन की ओर से विभागीय अधिकारियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।पीएनजी कनेक्शन के लिए व्यवसायिक प्रतिष्ठानों व उद्योग संचालकों को एचपीऑइल गैस कंपनी के पास आवेदन करना होगा। गैस कंपनी का कार्यालय अंबाला कैंट में आर्मी एरिया में बीएसएनएल के दफ्तर के पास है। बता दें कि साइंस इंडस्ट्रीज के कारोबारियों ने पिछले दिनों ही मंत्री अनिल विज से मुलाकात कर गैस की किल्लत का रोना रोया था। तब मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को फोन कर समस्या के समाधान के आदेश दिए थे।

### कमर्शियल सप्लाई भी मिलेगी

जब तक कारोबारियों को पीएनजी का कनेक्शन नहीं मिल जाता तब तक एलपीजी की कॉमर्शियल सप्लाई भी मिलेगी। इसका कोटा तय कर दिया गया है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में ढाबा, फास्ट फूड रेस्टोरेंट, रेस्तरां, होटल व अन्य खाद्य पदार्थ तैयार करने वाले प्रतिष्ठानों को इस फैसले से राहत नजर आई है। वहीं ग्लासवेयर इंडस्ट्रीज को भी एलपीजी सप्लाई की दिक्कतों के बीच विकल्प मिला है। एचपी ऑयल गैस कंपनी के पास घरेलू कनेक्शनों की संख्या 3900 है। कॉमर्शियल पीएनजी कनेक्शन 30 दिए हुए हैं। इसके अलावा इंडस्ट्रियल कनेक्शन 9 हैं। खाद्य आपूर्ति नियंत्रक निशांत राठी ने बताया कि कंपनी के अनुसार अभी घरेलू 12 हजार कनेक्शन और दिए जा सकते हैं। मगर इसके लिए लोगों को आवेदन करना होगा। इसके अलावा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को भी पीएनजी के लिए आवेदन करना होगा।

### 20 प्रतिशत कोटा निर्धारित

पीएनजी के लिए आवेदन करने के बाद जब तक व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पीएनजी नहीं मिलती तब तक एलपीजी मुहैया कराई जाएगी। इसके लिए विभाग ने 20 प्रतिशत एलपीजी का कोटा निर्धारित कर दिया है। अभी पीएनजी की कवरेज सेक्टर एक, सात, आठ, नौ, दस, मॉडल टाउन, वाटिका मॉल, लक्ष्मी नगर, प्रीत कॉलोनी में है। जंडली में भी पीएनजी की सप्लाई चल रही है। दुर्गानगर, मनाली हाउस, पालिका विहार, रामनगर में पीएनजी की सप्लाई की अनुमति लंबित है। अनुमति मिलते ही कुछ दिनों में यहां भी पीएनजी की सप्लाई कर दी जाएगी। इसके सुचारू होने के बाद 2500 घरों के कनेक्शन और बढ़ जाएंगे।

### पीएनजी का इस्तेमाल बेहद सुरक्षित

एलपीजी के बजाय पीएनजी को बेहद सुरक्षित माना जाता है। अंबाला शहर की पॉश बस्तियों में पीएनजी की कई साल से सप्लाई हो रही है। अभी तक एक हादसा भी सामने नहीं आया है। ऐसी स्थिति में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में होने वाले हादसों में भी कमी आना तय है। जानकारों की मानें तो पीएनजी का इस्तेमाल न केवल सुरक्षित है बल्कि इससे तैयार होने वाला खाना भी सेहत के लिए अच्छा होता है। ऐसे में कारोबारियों के साथ लोगों को भी राहत मिलना तय माना जा रहा है।

**गैस की किल्लत से जूझ रहे कारोबारी**

ईरान-अमेरिका युद्ध की वजह से अंबाला छावनी की साइंस इंडस्ट्रीज में ग्लासवेयर का कारोबार पूरी तरह से ठप होने की कगार पर है। ग्लासवेयर कारोबार में कमर्शियल गैस की सप्लाई बेहद कम है। इसी वजह से कारोबारी परेशान हैं। उनकी मानें तो गैस की सप्लाई न होने से ग्लासवेयर का कारोबार ठप हो गया है। साइंस इंडस्ट्रीज में इसी वजह से कांच से जुड़ा कोई भी सामान तैयार नहीं हो पा रहा है।

बराड़ा। फीस बढ़ोतरी के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अभिभावक।

## फीस बढ़ाने के फरमान पर स्कूल में मचा बवाल, अभिभावकों का फूटा गुस्सा

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| बराड़ा

गांव अधोई स्थित जय पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम के दिन फीस और अन्य नए नियमों को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इस बात को लेकर गुस्साए अभिभावकों ने स्कूल परिसर में जमकर हंगामा किया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मनमानी करने के गंभीर आरोप लगाए। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने फीस में बढ़ोतरी करने के साथ-साथ अब तीन महीने की एडवांस फीस एकमुश्त जमा करवाने का नियम बना दिया है। इतना ही नहीं, लेट फीस पर भारी जुर्माना और पूरे साल का बस किराया भी एडवांस मांगा जा रहा है। यहां के रहने वाले रूपेश ने बताया कि उनकी दोनों बेटियां जेपीएस स्कूल में पढ़ती हैं। उन्हें पहले फीस में जो छूट मिल रही थी। उस छूट को इस साल बंद कर दिया गया और फीस पर जुर्माना लगाकर रिजल्ट देने से भी इनकार कर दिया गया। उन्होंने प्रिंसिपल पर भी अभिभावकों से दुर्व्यवहार करने का आरोप भी लगाया। गांव थंबड़ के रमेश कुमार ने कहा कि स्कूल में हर महीने फीस बढ़ाई जा रही है और अब तीन महीने की एडवांस फीस अभिभावकों से वसूली जा रही है जो हर अभिभावक के लिए देना संभव नहीं है।

### फीस पर करेंगे विचार

बच्चे रिजल्ट के बाद मेरे साथ फोटो खिंचवा रहे थे। इस दौरान कुछ अभिभावकों ने फीस की बात को लेकर आपत्ति जताई व हंगामा किया। कुछ देर बाद वो चले गए। कई अभिभावकों ने अपनी लिखित शिकायत और सुझाव दिए हैं। स्कूल प्रबंधन उन पर नियमानुसार विचार कर उन्हें हल करने का प्रयास करेगा।
-डॉ नीलम जैन, प्रिंसिपल, जेपीएस स्कूल।

### स्कूल संचालक मर्जी से फीस नहीं बढ़ा सकते

यह मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। कोई भी स्कूल अपनी मर्जी से फीस में बढ़ोतरी नहीं कर सकता। फीस में बढ़ोतरी करने के लिए स्कूल को फार्म नंबर 6 भरना होता है, अगर अप्रूवल मिलती है, तो इसके बाद ही स्कूल फीस में वद्धि कर सकता है। फार्म नंबर 6 भरने की अंतिम तिथि 31 मार्च है।
-सुधीर कालड़ा, डीईओ, अंबाला।

## हाईवे पर ट्रक व नकदी लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

**अंबाला।** थाना पड़ाव की टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक लूटने वाले एक शातिर गिरोह के विरुद्ध बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को लूटे गए स्क्रैप से भरे ट्रक सहित पानीपत से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अनुज कुमार, निवासी गांव जुआ जिला सोनीपत के रूप में हुई है। 17 मार्च 2026 की रात को राष्ट्रीय राजमार्ग पर शास्त्री कट (कुलदीप नगर) के पास बोलेरो सवार आरोपियों ने एक ट्रक को रुकवाया था। आरोपियों ने खुद को अधिकारी बताते हुए ट्रक के कागजात और सामान की बिल्टी चेक करने का बहाना बनाया। बिल्टी को नकली बताकर ट्रक ड्राइवर शिव प्रकाश और उसके साथी के साथ मारपीट की। इसके बाद आरोपी ड्राइवर को जबरन अपनी बोलेरो में बिठाकर ले गए। साथ ही नकदी लूट ली। लुटेरों ने ड्राइवर को शाहाबाद-साहा पुल के नीचे उतार दिया। स्क्रैप से भरा ट्रक लेकर फरार हो गए थे। 18 मार्च 2026 को उत्तर प्रदेश के ड्राइवर शिव प्रकाश की शिकायत पर लूट का मामला दर्ज किया गया था। थाना प्रबंधक निरीक्षक धर्मबीर सिंह व उनकी टीम ने सूचनाओं के आधार पर आरोपी अनुज कुमार को पानीपत से काबू किया।

■ एक सदस्य गिरफ्तार, स्क्रैप से भरा ट्रक व नकदी बरामद

## गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय पर धोखाधड़ी का आरोप, 13 सिलेंडर हड़पकर फरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल जिले के कस्बा निगदू स्थित इंडेन ग्रामीण गैस एजेंसी में काम करने वाले एक डिलीवरी बॉय द्वारा ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी करने और 13 गैस सिलेंडर हड़पने का मामला सामने आया है। आरोपी कर्मचारी सैलरी लेने के बाद अचानक काम छोड़कर गायब हो गया और एजेंसी का हिसाब-किताब भी नहीं दिया।

### सैलरी मिलते ही छोड़ा काम

रायसन निवासी लक्ष्मी चंद चौहान ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी मीन चौहान के नाम निगदू में इंडेन ग्रामीण गैस एजेंसी है। गांव बीर बादलवा का रहने वाला रोहित पिछले करीब चार महीने से एजेंसी में होम डिलीवरी का काम कर रहा था, जिसकी मासिक सैलरी 10 हजार रुपये तय थी।

### हिसाब देने के बजाय किया फोन बंद

जब एजेंसी मालिक ने रोहित को फोन किया, तो उसने साफ कह दिया कि वह अब प्राइवेट नौकरी नहीं करना चाहता। इसके बाद उसे गैस डिलीवरी गाड़ी का चार्ज और सिलेंडरों का पूरा ब्यौरा देने के लिए बुलाया गया, लेकिन वह नहीं आया। 17 मार्च को उसने चार्ज देने के लिए दो दिन का समय मांगा, लेकिन उसके बाद न तो वह एजेंसी पहुंचा और न ही कोई हिसाब दिया।

### ग्राहकों के साथ भी की ठगी

लक्ष्मी चंद चौहान का आरोप है कि रोहित ने एजेंसी के कुल 13 गैस सिलेंडरों का घोटाला किया है। उसने ग्राहकों से कोड लेकर उनकी बुकिंग को पेपर पर 'डिलीवर' दिखा दिया, जबकि असल में ग्राहकों को सिलेंडर दिए ही नहीं। इससे एजेंसी और ग्राहक दोनों को आर्थिक नुकसान हुआ है। रोहित पिछले दो महीने से एजेंसी की सिम का इस्तेमाल नहीं कर रहा था, ताकि उसकी गतिविधियों पर नजर न रखी जा सके।

## फिल्म फेस्टिवल में 'बैंड बाजा और सितारात' के निर्देशक व अभिनेत्री ने साझा किए अनुभव

# सलिल सिंह की फिल्म ने बयां की कलाकारों की असली कहानी

हरिभूमि न्यूजर ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। कुवि के ऑडिटोरियम में मौजूद दर्शक।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र के सहयोग से आयोजित 8वें हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में सिनेमा के विविध रंग देखने को मिल रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को फिल्म ह्यबैंड बाजा और सिताराह्ल के निर्देशक सलिल सिंह और मुख्य अभिनेत्री तीव्रता तिवारी ने विशेष सत्र में भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए और युवाओं को प्रेरित किया।

इस दौरान निर्देशक सलिल सिंह ने कहा कि उनकी फिल्म केवल सफलता की कहानी नहीं, बल्कि उन कलाकारों के संघर्ष की कहानी है जो हर दिन अपनी पहचान बनाने के लिए लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि हम अक्सर केवल विजेताओं की बात करते हैं, लेकिन उनकी फिल्म उन लोगों की कहानी को सामने लाती है जो हार के बाद भी दोबारा उठ खड़े होने का साहस रखते हैं। सलिल सिंह ने अपने शुरूआती संघर्षों का जिक्र करते हुए बताया कि वर्ष 2016-17 में जब उन्होंने अपने करियर की शुरूआत की थी, तब उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन उनकी फिल्म बड़े पर्दे पर दिखाई जाएगी। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म ह्यकल्पना और यथार्थह्ल का भी उल्लेख किया, जो जल्द ही अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित होगी। वहीं फिल्म की मुख्य अभिनेत्री तीव्रता तिवारी ने वकालत से अभिनय तक के अपने सफर को साझा करते हुए कहा कि मुंबई में अपने लिए जगह बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने बताया कि अभिनय के क्षेत्र में हर दिन नए ऑडिशन और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, लेकिन अपने जुनून और मेहनत के बल पर उन्होंने यह राह चुनी। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से अपनी भावनाओं को अभिनय के माध्यम से व्यक्त करना चाहती थीं और इसी इच्छा ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री की ओर आकर्षित किया। दोनों कलाकारों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस फिल्म फेस्टिवल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच युवाओं और उभरते कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि वे अपने सपनों का पीछा करना कभी न छोड़ें और असफलता से घबराए बिना आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला, फेस्टिवल निदेशक धर्मेन्द्र डांगी, डॉ. सलोनी पी दिवान, डॉ. आबिद अली सहित शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद थे।

### फेस्टिवल का चौथा दिन: खचाखच भरे सभागार में सिनेमा का उत्सव

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग द्वारा संस्कृति सोसाइटी फॉर आर्ट एंड कल्चरल डेवलपमेंट, कुरुक्षेत्र के सहयोग से आयोजित 8वें हरियाणा अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के चौथे दिन आडिटोरियल हॉल दर्शकों से पूरी तरह खचाखच भरा नजर आया। विद्यार्थियों और युवाओं का उत्साह चरम पर था, जिससे पूरे माहौल में ऊर्जा और जोश साफ झलक रहा था। मंच संचालन कर रहे डॉ. आबिद अली ने दर्शकों के बीच जाकर बच्चों और युवाओं से संवाद किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया, जिससे कार्यक्रम और अधिक जीवंत एवं सहभागितापूर्ण बन गया। इस अवसर पर बैंड बाजा और सितारा, पहिया, बकरी, ब्रदर्स, 2 खेत, सिग्नेचर, रख्बी, सेल बडीज, 20 रुपये नोट, द सनफ्लावर, यू आर अर्ली, डेमन फिश, द फेयरवेल मेलोडी, सर्चिंग सरस्वती, बीज, केज्ड बाय करेज जैसी अनेक लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इन सभी फिल्मों के निर्देशक भी मौके पर उपस्थित रहे, जिससे दर्शकों को उनके अनुभव जानने का अवसर मिला।

## खबर संक्षेप

### स्कूटी सवार युवक ने महिला से झपटा बैग

**यमुनानगर।** शहर की रेलवे कॉलोनी में स्कूटी सवार युवक ने महिला के हाथ से कैरी बैग झपट लिया। कैरी बैग में पांच हजार रुपए, मोबाइल, रेलवे पास तथा घर की चाबी थी। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार तिलक नगर निवासी दर्शना देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह शुक्रवार शाम को पैदल रेलवे कॉलोनी में किसी काम से जा रही थी। इस दौरान स्कूटी सवार युवक उसके पास आया। जब तक वह कुछ समझ पाती आरोपी युवक ने उसके हाथ से कैरी बैग झपट लिया।

### रविदास जयंती पर होगा सत्संग व भंडारा

**रादौर।** आशाराम गोमती देवी चेरिटेबल ट्रस्ट बसंतपुरा के तत्वावधान में 1 अप्रैल को संत शिरोमणि गुरू रविदास जी की जयंती के उपलक्ष में 10वे सत्संग व भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। संत कमल दास जी महाराज की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित होंगे। विशिष्ठ अतिथि कंवरपाल सैनी, चौधरी सुरेंद्र राणा बडतौली, जगमाल सिंह हड़तान मौजूद रहेंगे। जानकारी देते हुए ट्रस्ट के चेयरमैन पोलाराम ने बताया कि कार्यक्रम में ज्योत प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जायेगा। श्रद्वालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जायेगा।

### कांग्रेसियों ने मनाई बंसीलाल की पुण्यतिथि

**रादौर।** कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को प्रदेश के निर्माता व विकास पुरूष चौधरी बंसीलाल की पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेसी नेता उमेश बुबका ने बताया कि चौधरी बंसीलाल एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कई लोगों द्वारा आधुनिक हरियाणा के निर्माता माने जाते हैं। उनका जन्म हरियाणा के भिवानी जिले के गोलागढ़ गांव के जाट परिवार में हुआ था। बंसीलाल को 1975 में आपातकाल के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके पुत्र संजय गांधी का एक करीबी विश्वासपात्र माना जाता था। उन्होंने दिसंबर 1975 से मार्च 1977 तक रक्षा मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दी एवं 1975 में केंद्र सरकार में बिना विभाग के मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल रहा।

### दर्जनभर लोगों ने की दुकानदार से मारपीट

**यमुनानगर।** गांव चूहड़पुर कलां बस स्टैंड के पास करीब दर्जन भर लोगों ने दुकान में घुसकर दुकानदार के साथ मारपीट की। आरोपियों पर जाति सूचक शब्द बोलने का भी आरोप है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद तीन आरोपियों को नामजद करते हुए 10 अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव गुलाबगढ़ निवासी सुनील कुमार ने छछरौली पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव चूहड़पुर कलां बस स्टैंड पर दुकान है। उसकी कुछ दिन पहले चीनू, सद्दाम व मोनू के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया था।

### सीएम विंडो, जन संवाद व अन्य शिविरों से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की

# समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान करें अधिकारी : एडीसी

समाधान शिविर, जन संवाद, सीएम विंडो व एसएमजीटी से प्राप्त शिकायतों की स्वयं मुख्यमंत्री नायब सैनी करते है समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। शिकायतों की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा।

जिला सचिवालय में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में समाधान शिविर, जन संवाद, सीएम विंडो व एसएमजीटी में प्राप्त शिकायतों के समाधान के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने की। उन्होंने अधिकारियों को आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने कहा कि अधिकारियों द्वारा शिविरों में प्राप्त हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाए तथा समयबद्ध ढंग से उसका समाधान करवाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से समाधान प्रकोष्ठ में किन किन विभागों से संबंधित समस्याएं अधिक आ रही हैं, कितनी शिकायतें लंबित हैं व अन्य संबंधी विषयों से जुड़ी विस्तार से जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर, जन संवाद, सीएम विंडो व एसएमजीटी में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को प्राथमिकता से निपटाया जाए। उन्होंने पब्लिक हेल्थ, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, नगर निगम यमुनानगर. जगाधरी, बिजली विभाग, खेल, स्वास्थ्य विभाग, जिला विकास एवं पंचायत विभाग, जिला राजस्व विभाग, जिला परिषद, शिक्षा विभाग, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग सहित अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन जिन विभागों की विभिन्न शिविरों से संबंधित जो भी शिकायतें है उनका जल्द से जल्द निवारण करें। ताकि उचित पात्रों को हरियाणा सरकार की जन कल्याणकारी नीतियों का लाभ मिल सके। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने विभाग संबंधित शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करें अन्यथा आपके खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी। इस अवसर पर जगाधरी के एसडीएम विश्वनाथ, व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार, रादौर के एसडीएम नरेन्द्र कुमार, नगराधीश पीयूष गुप्ता, डीआईओ विनय गुलाटी, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह व डीआरओ तरूण सहोता आदि मौजूद रहे।

#### मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं करते हैं रिव्यू

अतिरिक्त उपायुक्त नवीन आहूजा ने बताया कि समाधान शिविर, जन संवाद, सीएम विंडो व एसएमजीटी को स्वयं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रिव्यू करते हैं। इसलिए सभी विभाग अपने अपने विभागों से संबंधित लोगों की समस्याएं शून्य कर लें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की जरूरी और बुनियादी सुविधाएं त्वरित उपलब्ध करवाई जाएं और समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए। ताकि समस्याओं की संख्या में कमी आए। उन्होंने कहा कि जिला की रिपोर्ट संतोषजनक है। शिकायतों का निराकरण उचित और ठीक फार्मेट में करें। ताकि शिकायत रि.ओपन न हो और फार्मेट को अपलोड करने से पहले ठीक से जांच कर लें।

# सड़क दुर्घटना रहित बनाने की दिशा में उठाएं कदम: डीसी

यमुनानगर। बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए उपायुक्त प्रीति।

- सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी समिति के सदस्यों की आयोजित की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला प्रशासन द्वारा लघु सचिवालय में सड़क सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी समिति के सदस्यों व अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उन्होंने अधिकारियों को जिला को सड़क दुर्घटना रहित बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए।

उपायुक्त प्रीति ने कहा कि जिला यातायात एवं सड़क सुरक्षा समिति जो सुझाव दें। उन पर अधिकारी शीघ्रता से संज्ञान लेकर सड़क के उन बिंदुओ पर कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाएं। जहां पर अधिक दुर्घटनाएं होती हैं। उन्होंने कहा कि हमें सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता अवश्य करनी चाहिए। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि शहर के गाबा अस्पताल से कन्हैया चौक तक सड़क के किनारों से अवैध कब्जे हटवाने के लिए टीम निरंतर कार्य करें। वहीं, रक्षक विहार नाका से कैल तक रोड़ को फोरलेन बनाया जाए। ताकि लोगों को सुविधा हो और दुर्घटनाओं में कमी आए। उन्होंने कहा कि अस्पताल, बैंक एवं अन्य संस्थान अपने सामने रेहड़ी, बाइक व गाड़ी पार्किंग को व्यवस्थित करें। वार्निंग साइन बोर्ड लगाए जाएं और चेतावनी जारी की जाए। उपायुक्त ने सभी वाहन चालकों का आह्वान किया कि वह वाहन चलाते समय विशेष सावधानियां बरतें और वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग अवश्य करें। उन्होंने जिला के सभी स्कूल प्रबंधन, प्रिंसिपल व अविभावक यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नाबालिग बच्चा वाहन न चलाए और स्कूल, कोचिंग सैंटर संचालक व प्रबंधन यह सुनिश्चित करें कि उनके संस्थान में कोई भी नाबालिग बच्चा वाहन लेकर न आएं।

# मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश कर शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला पुलिस की एंटी व्हीकल थेफ्ट सेल की टीम ने दो स्थानों से दो बाइक चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से चोरी की दो बाइक बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

इंचार्ज राजेश कुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक चोरी की बाइक को लेकर कलानौर बॉर्डर होते हुए होते हुए जाएगा। सूचना के आधार पर टीम ने मौके पर जाकर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। कुछ देर बाद एक युवक बाइक में आता दिखाई दिया। टीम ने उनको रोककर जांच की तो उनके पास से चोरी की बाइक बरामद हुई। पूछताछ में जिनकी पहचान सहारनपुर के गांव राजपुरा पहलवानपुर निवासी विशाल उर्फ विवेक के नाम से हुई। आरोपी ने यह बाइक गत 28 फरवरी को सुखसागर पैलेस के सामने से चोरी की थी। आरोपी पर पहले भी चोरी के तीन मुकदमे दर्ज है जो न्यायालय में विचाराधीन है।

# मुख्यमंत्री नायब सैनी ने जाना ऊर्जा मंत्री अनिल विज का कुशलक्षेम

- प्रदेश के विकास एवं जनसेवा से जुड़े विषयों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। मुख्यमंत्री सैनी को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते विज। फोटो : हरिभूमि

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज से शनिवार को उनके अंबाला छावनी स्थित आवास पर पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उनका हालचाल जाना और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की मंगलकामना की। इससे पहले मंत्री विज ने मुख्यमंत्री नायब सैनी का पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका सम्मानपूर्वक स्वागत किया। दोपहर बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ आत्मीयता और सद्भाव का प्रतीक रही इस भेंट के दौरान प्रदेश के विकास एवं जनसेवा से जुड़े विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अनिल विज प्रदेश की राजनीति के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेता हैं जिनका प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण प्रदेश के लिए अमूल्य है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि विज शीघ्र पूर्ण स्वस्थ होकर पुनः ऊर्जा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। मंत्री अनिल विज ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को सम्मानपूर्वक शॉल भेंट की। मुख्यमंत्री के आगमन पर राजिंद्र विज, कपिल विज, गौरव विज, शुभम विज, अतुल महेंद्रू, भारती एवं परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्व मंत्री श्री असीम गोयल, प्रदेश उपाध्यक्ष भाजपा बंतो कटारिया भी रहे।

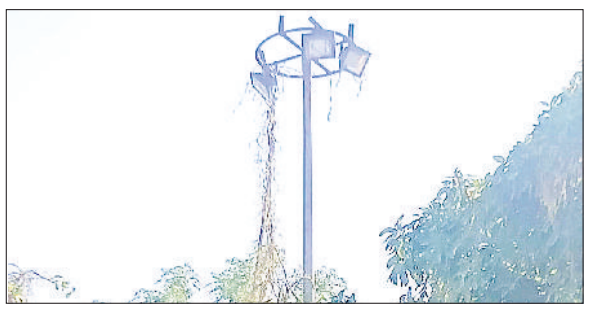

रादौर। कॉलेज रोड पर खराब पड़ा स्ट्रीट लाइट टावर।

#### स्ट्रीट टावर पर लगी लाइटें बंद होने से लोग परेशान

**रादौर।** कस्बा में नगरपालिका द्वारा लगाए गए स्ट्रीट लाइट टावर पर लगी लाइटे बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार मामले को लेकर नगरपालिका कर्मचारियों से शिकायत भी की। लेकिन नगरपालिका कर्मचारियों ने उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया। जिससे स्थानीय लोगों में नगरपालिका की कार्यप्रणाली को लेकर भारी रोष है। स्थानीय निवासी दिनेश कुमार, जितेंद्र, राजेश, कुलदीप, राहुल, जसबीर आदि ने बताया कि नगरपालिका द्वारा लगाए गए स्ट्रीट लाइट टावर में केवल एक लाइट ही जलती है। बाकी सभी लाइटे खराब पड़ी हुई है। जिससे राहगीरो को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। रात के समय कॉलेज रोड पर स्ट्रीट लाइट खराब होने व स्ट्रीट लाइट टावर के पास पेड होने से सड़क पर अंधेरा पसरा रहता है। सड़क पर अंधेरा होने से कई बार दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द खराब स्ट्रीट लाइट ठीक किए जाने की मांग की। इस बारे नपा सचिव सुरेंद्र मलिक ने कहा कि जल्द ही खराब हुई लाइटो को ठीक करवा दिया जायेगा।

# गेहूं के अवशेष जलाने पर प्रशासन ने लगाया प्रतिबंध

- जिलाधीश ने धारा 163 के तहत जिले में जारी किए आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

जिला की सीमा के भीतर गेहूं की फसल की कटाई के बाद फसल अवशेष (फाने)जलाने पर प्रशासन ने प्रतिबंध लगा दिया है। इन प्रतिबंधो के बावजूद यदि किसी ने गेहूं की फसल के फाने जलाए तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जिलाधीश प्रीति ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत समस्त जिला में गेंहू की फसल के अवशेषों को जलाने पर प्रतिबंध लगाया है। जिलाधीश ने बताया कि आदेशों में सभी कंबाइन हार्वेस्टर मशीन के मालिकों को आदेश दिए हैं कि वे गेहूं की फसल की कटाई के दौरान अपनी कंबाइन हार्वेस्टर मशीनों में सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगवाए। उन्होंने बिना सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम कम्बाईन हार्वेस्टर मशीनों द्वारा गेहूं की फसल काटने पर पूर्णतः रोक लगाने के आदेश दिए हैं। आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो वह सपठित वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत दण्ड का पात्र होगा।

रादौर। जागरण में प्रस्तुति देते गायक श्याम लाल सैनी। फोटो: हरिभूमि

#### वार्षिक जागरण में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

**रादौर।** शहर के माता मोहल्ला में स्थित जय दुर्गा मंदिर में बीती रात 57वें वार्षिक जागरण समारोह का आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी के प्रधान मास्टर अरविंद भल्ला व आचार्य पंडित रमेश चंद पन्यूली ने जागरण का शुभारंभ किया। मौके पर आयोजक समाजसेवी राजकुमार रोहिला उर्फ राजू रोहिला व उनकी पत्नी लीला रोहिला आदि मौजूद रही। जागरण में माता दुर्गा का भव्य दरबार सजाया गया। इसके बाद हवन यज्ञ करवाया गया। जिसमें पंडित रमेश चंद पन्यूली ने आहुतियां अर्पित करवाई। जागरण में भजन गायक श्याम लाल सैनी, कमल प्रजापत, सुभाष रोहिला, जगदीश बावरा, रामकिशन व रोहिला आदि ने माता के भजन और भेंटे गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। मौके पर राजेश रोहिला, बलजीत रोहिला, कृष्ण रोहिला, पवन रोहिला, प्रवीण रोहिला, विनोद आदि रहे।

# विद्यार्थी अपने जीवन में अपनाएं गुरु नानक के बताए गए सिद्धांत: सिंह

- खालसा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में हुई जीएनके जय स्कालरशिप अवार्ड सेरेमनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। पुरस्कार प्राप्त कर खुशी जताते हुए मेधावी विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गुरु नानक खालसा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में जमना आटो इंडस्ट्रीज की सीएसआर यूनिट के तत्वावधान में जीएनके जय स्कॉलरशिप अवार्ड सेरेमनी-2026 समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान 503 मेधावी विद्यार्थियों व खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्यातिथि के रुप श्री गुरु ग्रंथ साहिब वर्ल्ड यूनिवर्सिटी फतेहगढ़ साहिब पंजाब के वाइस चांसलर डॉ. प्रीतपाल सिंह ने भाग लिया। जबकि विशिष्ठ अतिथि के रुप में कुरुक्षेत्र विश्वविद्याल के रजिस्ट्रार लेफ्टिनेंट डॉ. वीरेंद्र पाल मौजूद रहे। कालेज के प्रिंसीपल डॉ. अरविंदर सिंह भल्ला ने मुख्यातिथि समेत अन्य अतिथियों का स्वागत किया। मुख्यातिथि डॉ. प्रीतपाल सिंह ने समारोह में सबसे पहले जमना आटो इंडस्ट्रीज की सीएसआर यूनिट की ओर से 503 मेधावी विद्यार्थियों व खिलाड़ियों को जय स्कालरशिप अवार्ड प्रदान किए।

# ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से चालक समेत दो की मौत

- ट्राली में गन्ना लोड कर लेबर के साथ बिजाई करने के लिए जा रहा था मृतक

हरिभूमि न्यूज. यमुनानगर

गांव सारण के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से गन्ने से भरी अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली सड़क किनारे पलट गई। ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबने से चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई जबकि लेबर के आधा दर्जन लोग घायल हो गए। जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि मृतक व्यक्ति लेबर के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली पर गन्ना बिजाई करने के लिए जा रहा था। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी।

परमजीत ने थाना छप्पर पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका चाचा 65 वर्षीय निर्मल गांव डेरा सलेमपुर में रहता है। 27 मार्च को वह लेबर के सदस्यों के साथ गन्ना बिजाई करने के लिए ट्रैक्टर ट्रॉली पर जा रहा था। जब वह गांव सारण के पास पहुंचे तो अज्ञात वाहन ने उनकी ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मार दी। जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। राहगीरों ने ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबे लोगों को को अस्पताल में भर्ती करवाया।

### 20 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी पकड़ा, केस दर्ज

**यमुनानगर।** एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने प्रताप नगर क्षेत्र से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 20 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पकड़ी गई हेरोइन की कीमत बाजार में करीब 50 हजार रुपए बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार एएसआई कुलदीप ने बताया कि वह शाम को टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान टीम को सूचना मिली थी कि प्रताप नगर क्षेत्र में एक युवक नशीले पदार्थ के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 20 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान प्रताप नगर के रत्ती मोहल्ला निवासी अकरम के रूप में हुई।

### श्री हनुमान मंदिर में दो अप्रैल को मनाया जाएगा हनुमान जन्मोत्सव

# हनुमान जन्म उत्सव को लेकर निकाली प्रभात फेरी

प्रभात फेरी सुबह पांच बजे मंदिर परिसर से शुरू होकर सौभाग्य रिसोर्ट के पास हुई समाप्त, झुमे भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ यमुनानगर

यमुनानगर। प्रभातफेरी का रामपुरा कालोनी में स्वागत करते हुए श्रद्धालु।

श्री हनुमान मंदिर रामपुरा कॉलोनी यमुनानगर में 2 अप्रैल को भगवान हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। इसी उपलक्ष में मंदिर प्रबंधक कमेटी द्वारा शनिवार से प्रभात फेरियां आरंभ की गई। शनिवार को मंदिर से सुबह पांच बजे प्रभात फेरी का शुभारंभ किया गया। प्रभात फेरी मंदिर परिसर से आरंभ होकर ग्रीन पार्क फेस टू, हरदेव कॉलोनी से होते हुए सौभाग्य रिसोर्ट के पास समाजसेवी संजीव मणी एवं एडवोकेट सुमित मणी के निवास स्थान पर पहुंची जहां प्रभात फेरी को विश्राम दिया गया। यह प्रभात फेरी जिस भी इलाके में पहुंची वहां श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा व उत्साह के साथ फूलों की वर्षा कर स्वागत किया। प्रभात फेरी में आगे श्री हनुमान जी की पताका लेकर श्रद्धालु चल रहे थे और उनके पीछे पालकी में भगवान हनुमानजी का मनमोहक स्वरूप विराजमान था। साथ ही महिला संकीर्तन मंडली की सदस्य भजन गाते हुए चल रही थी। मंदिर के आचार्य शारदा मिश्रा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री हनुमान जी का जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ दो अप्रैल को मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 अप्रैल को श्री राम के भक्त हनुमान की जयंती है। इस पर्व को भव्य रूप देने के लिए निरतंर तैयारियों को जोर दिया जा रहा है। समाज के लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे है। भजन गायक सूरज चंचल इस दौरान भजनों से श्रद्धालुओं को निहाल करेंगे। प्रभात फेरी के बाद में श्री हनुमान मंदिर के परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया जएगा। भंडारे के लिए समस्त श्रद्धालुओं को निमंत्रण दिया गया है। मौके पर रोशन लाल पप्पू, सुरेंद्र मगो, राकेश शर्मा, दविन्दर मेहता, अनिल लांबा, अमित जांबा, सो म प्र का श ओ बे रॉ य , जगदीश,योगेश भल्ला व वासू मुख्य रूप से मौजूद रहे।

## खबर संक्षेप

### सरकारी स्कूल में दाखिले के लिए अभियान चलाया

**कुरुक्षेत्र।** राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हथीरा स्टाफ सदस्यों ने गांव हथीरा में घर घर जाकर बच्चों को सरकारी स्कूल में दाखिला अभियान चलाया। स्टाफ सदस्यों ने गांववासियों से सरकारी स्कूल की सुविधाएं और उच्च स्तरीय शिक्षा व प्रांगण के बारे बताया है और स्टाफ सदस्यों में मुख्य शिक्षक सूबे सिंह सुजान, सत्यवान ढांढा विकास छोकर, सुमन लता, रेणु, परमजीत कौर शामिल रहे। मुख्य शिक्षक सूबे सिंह सुजान ने बताया कि विधालय व गांव में पिछले एक सप्ताह से दाखिला अभियान चलाया जा रहा है। ग्रामवासियों को सरकारी योजनाओं के बारे बताया गया है और निजी विधालयों की अनावश्यक भारी भरकम फीस से छुटकारा पाने के लिए सरकारी स्कूलों में लौटने का आह्वान किया गया है।

### रणधीर सिंह को एसएचओ बनने पर दी बधाई

**कुरुक्षेत्र।** जिले में पुलिस प्रशासन में अहम बदलाव करते हुए रणधीर सिंह को थाना सदर थानेसर (पिपली) का नया एसएचओ नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति के बाद क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने की उम्मीद जताई जा रही है। इस नियुक्ति पर युवा कांग्रेस कुरूक्षेत्र के जिला अध्यक्ष कुलदीप ढिल्लों (हथीरा) ने खुशी व्यक्त करते हुए चौधरी रणधीर सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनके अनुभव और कार्यशैली से क्षेत्र में बेहतर पुलिसिंग देखने को मिलेगी। कुलदीप ढिल्लों ने इस नियुक्ति के लिए पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन का भी आभार जताया और कहा कि यह निर्णय क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करेगा।

### कई घंटों तक लाइन में लगने के बावजूद नहीं मिल रहा सिलेंडर

# गैस की किल्लत से परेशान लोगों ने अंबाला-हिसार राजमार्ग किया जाम

- सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी पुलिस के आश्वासन के बाद खुला जाम
- सिटी एसएचओ सुनील दत्त शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

नगर में गैस की भारी किल्लत को लेकर आज हल्के के लोगों ने अंबाला हिसार मार्ग पर जाम लगा दिया। जिसके चलते सडक के दोनो ओर जाम लगने से वाहनों की लंबी कतारें लग गई और वाहन चालकों को भी भारी परेशानी झेलनी पडी। गैस की भारी किल्लत को लेकर लोग सुबह 4 बजे से ही लाईन लगा कर गैस एजेंसी के बाहर बैठ जाते है बावजूद इसके उन्हें गैस नहीं मिल पाती। आज सुबह से ही गैस लेने के लिए इस्माईलाबाद व पिहोवा हल्के के लोग अंबाला रोड पर गैस एजेंसी कार्यालय के बाहर धरना दे सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने सरकार पर झूठी बयानबाजी का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ तो सरकार कह रही है कि देश व प्रदेश में गैस, पेट्रोल की कोई कमी नहीं है,अगर ऐसा नही है तो फिर उन्हें अभी लाइनों व सडकों पर बैठने को क्यों मजबूर किया जा रहा है, बावजूद इसके उन्हें सिलेंडर नहीं मिल रहा है।

**न गैस की पर्ची दी जा रही, न सिलेंडर**

उन्होंने कहा कि एजेंसी द्वारा न तो उन्हें गैस की पर्ची दी जा रही ओर न ही सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। कई घंटो तक लाइन में खडे लोगों ने आखिरकार तंग आकर अंबाला हिसार राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर सड़कों पर 30 से 40 मिनट तक जाम लगा दिया ओर गैस एजेंसी व सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों द्वारा धरना व जाम को देख सिटी एसएचओ सुनील दत्त शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और उन्होंने लोगों को समझा बुझाकर एजेंसी वालों से बातचीत की। पुलिस के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम खोला।

राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान

# पुराने व क्षतिग्रस्त तिरंगे रीसाइक्लिंग के लिए सौंपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद एवं फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष नवीन जिन्दल द्वारा कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में राष्ट्रीय ध्वज जागरूकता अभियान-2026 चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं को राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूक किया जा रहा है, इसके साथ ही पुराने व क्षतिग्रस्त तिरंगों को एकत्रित कर पुनः नवीनीकरण के लिए एक नई पहल भी आरंभ की गई है। इस अभियान के तहत शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से पूरे कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र से क्षतिग्रस्त एवं अनुपयोगी तिरंगों का संग्रह किया जा रहा है। इन एकत्रित तिरंगों को अटल सेंटर ऑफ टेक्सटाइल रीसाइक्लिंग एंड सस्टेनेबिलिटी, पानीपत को विधिसम्मत पुनः नवीनीकरण के लिए सौंपा गया है। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखते हुए उसके सम्मानजनक निस्तारण की व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इस बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी, मेजर जनरल असीम कोहली (सेवानिवृत्त) ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि देश की अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। ऐसे में जब तिरंगा क्षतिग्रस्त या अनुपयोगी हो जाता है, तो उसका सम्मानपूर्वक निस्तारण करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने इस अभियान में सहयोग करने के लिए कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव उपेंद्र सिंघल एवं उनकी टीम, जेएमआईईटीआई रादौर के निदेशक डॉ. विवेक शर्मा और समाजसेवी कपिल मित्तल ने कहा कि फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया की यह पहल तिरंगे के सम्मान को बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

## नवयुग स्कूल में वार्षिक परीक्षा किया घोषित

**कुरुक्षेत्र।** नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र में ग्रेजुएशन डे के रूप में वार्षिक परीक्षा परिणाम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ घोषित किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने डिग्री की पोशाक पहन कर अपना परिणाम लिया। विद्यालय की ओर से भावी डॉक्टर, पुलिस, इंजीनियर तथा अध्यापक आदि के नाम के प्रॉप्स भी रखे ,जिनमे से बच्चों ने एक को चुना और मनमोहक फोटो खिंचवाई। बच्चों को रिपोर्ट कार्ड के साथ गिफ्ट्स भी दिए गए। बच्चों के साथ अभिभावकों में भी अपने बच्चे का वार्षिक परिणाम लेने के लिए उत्साह दिखा।कक्षा प्री नर्सरी से नवम एवं एकादश में प्रथम पांच स्थानों पर आने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य डॉ देवेन्द्र अरोड़ा जी द्वारा रिपोर्ट कार्ड दिए गए तथा उनके साथ विद्यार्थियों की फोटो भी ली गयी।

## इस्कॉन कुरुक्षेत्र में भव्य श्रीराम जन्मोत्सव आयोजित

**कुरुक्षेत्र।** पावन गीता भूमि ज्योतिसर स्थित इस्कॉन श्री कृष्ण अर्जुन मंदिर में शुक्रवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ श्रीराम नवमी महोत्सव मनाया गया। यह इस्कॉन कुरुक्षेत्र के इतिहास में एक ऐतिहासिक अवसर रहा, जब पहली बार भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का इतना भव्य आयोजन किया गया। पूरे मंदिर परिसर में जय श्रीराम और हरे कृष्ण महामंत्र की गूंज के साथ भक्तिमय वातावरण बना रहा, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 4:30 बजे मंगल आरती से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के चरणों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके पश्चात दिनभर विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रातः 11 बजे मधुर संकीर्तन के बीच भगवान श्रीराम के विग्रह का पंचगव्य अभिषेक अत्यंत विधिपूर्वक संपन्न हुआ, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर श्रीमान साक्षी गोपाल प्रभुजी ने बताया कि यह श्रीराम विग्रह उसी दिन अयोध्या धाम से विशेष रूप से लाया गया है, जो पावन सरयू नदी में स्नान करके यहां पधारा है। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण के नवम स्कंध में भगवान श्रीराम के दिव्य चरित्र का अत्यंत सुंदर वर्णन मिलता है। भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और करुणा को अपनाकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को श्रेष्ठ बना सकता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भगवान राम का नाम इतना पवित्र है कि जहां इसका स्मरण और कीर्तन होता है, वहां काम, क्रोध और वासनाओं का प्रभाव स्वतः समाप्त होने लगता है। कलियुग में भगवान अपने नाम के रूप में ही सुलभ हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को राम नाम का संकीर्तन अवश्य करना चाहिए।

# 32 श्रद्धालु अयोध्या तीर्थ के लिए रवाना

देश के तीर्थ स्थलों के निःशुल्क दर्शन और यात्रा करवा रही सरकार : सुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि देश के तीर्थ स्थलों के निशुल्क दर्शन और यात्रा प्रदेश सरकार की तरफ से करवाई जा रही है। यह यात्रा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत करवाई गई है। इस योजना के अंतर्गत कुरुक्षेत्र से 32 श्रद्धालु अयोध्या तीर्थ यात्रा के लिए गए हैं। अहम पहलू है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला से अयोध्या के लिए विशेष भारत गौरव ट्रेन को हरी झंडी देकर रवाना किया है। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा शनिवार को कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर बोल रहे थे। इस विशेष ट्रेन का कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा के जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने स्वागत किया। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, भाजपा जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत अयोध्या के लिए कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन से भारत गौरव ट्रेन में श्रद्घालुओं को रवाना किया। कुरुक्षेत्र धर्मनगरी से अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शन करने जाने वाले 32 यात्रियों का रेलवे स्टेशन कुरुक्षेत्र से पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा व जिलाध्यक्ष तिजेंद्र सिंह गोल्डी ने तिलक लगाकर, अंगवस्त्र व रुद्राक्ष माला भेंट कर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया।

## कलयुग में भागवत कथा का श्रवण ही मोक्ष का सबसे सरल मार्ग : श्यामल दास

**शाहबाद।** महादेव पार्क, हुड्डा पार्ट-1 में परम पावन श्रीमद्भागवत कथामृत का मंगलमय शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ हुआ। श्री वृंदावन धाम से पधारे सुप्रसिद्ध कथा वाचक श्यामल दास के सानिध्य में आयोजित इस ज्ञान यज्ञ के प्रथम दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। पूरा वातावरण 'हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे' के महामंत्र और जयघोष से गुंजायमान हो उठा। श्रीमद्भागवत माहात्म्य का दिव्य वर्णनः कथा के प्रथम सोपान पर व्यास पीठ का पूजन किया गया, जिसके उपरांत श्यामल दास ने श्रीमद्भागवत माहात्म्य का बड़ा ही मार्मिक और सारगर्भित वर्णन किया। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत साक्षात भगवान श्रीकृष्ण का वांग्मय स्वरूप है। कलियुग में भागवत कथा का श्रवण ही मोक्ष का सबसे सरल मार्ग है। इसके श्रवण मात्र से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के संचित पापों का शमन होता है और हृदय में सात्विक भक्ति का संचार होता है। माहात्म्य के प्रसंगों के माध्यम से उन्होंने बताया कि कैसे यह कथा दुखों का निवारण कर जीवन में शांति और आनंद का संचार करती है। श्रद्धा का अद्भुत दृश्यः कथा के शुभारंभ पर पुरुष सदस्यों ने पूर्ण श्रद्धा के साथ श्रीमद् भागवत जी को शिरोधार्य कर पांडाल में प्रवेश किया।

# 474 बच्चों को दी औषधीय खुराक

आयुष विश्वविद्यालय में पुष्य नक्षत्र पर स्वर्ण प्राशन शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के आयुर्वेदिक अस्पताल में पुष्य नक्षत्र के अवसर पर स्वर्ण प्राशन शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने अपने बच्चों के साथ भाग लिया। इस दौरान कुल 474 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। यह शिविर कुलपति प्रोफेसर वैद्य करतार सिंह धीमान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य बच्चों के समग्र शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा देना है। बाल रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ. अमित कटारिया ने बताया कि स्वर्ण प्राशन में प्रयुक्त स्वर्ण भस्म या गोल्ड नैनो पार्टिकल्स बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ मस्तिष्क के विकास, स्मरण शक्ति में वृद्धि और बार-बार होने वाले संक्रमणों को कम करने में सहायक होते हैं। वहीं, विभागाध्यक्ष प्रो. वैद्य शंभू दयाल शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद में वर्णित स्वर्ण प्राशन संस्कार एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जो बाल्यावस्था में मेधा, स्मृति, अग्नि और ओज को बढ़ाने में सहायक मानी गई है। सह प्राध्यापक डॉ. सुधीर मलिक ने बताया कि पुष्य नक्षत्र में स्वर्ण प्राशन कराने का विशेष महत्व है, क्योंकि इस समय दी गई औषधि अधिक प्रभावी और दीर्घकालिक परिणाम देने वाली मानी जाती है। आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. राजा सिंगला ने जानकारी दी कि अगला स्वर्ण प्राशन शिविर 24 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर डॉ. जयदेव, डॉ. प्रोमिला ठाकुर, पीजी स्कॉलर्स डॉ. विशाल, डॉ. अलका, डॉ. पंकज आदि मौजूद रहे।

## जेसीआई कुरुक्षेत्र की महिला विंग ने सिविल अस्पताल में सेनेटरी पैड और डायपर्स बांटे

**थानेसर।** अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था जेसीआई कुरुक्षेत्र की महिला विंग द्वारा सिविल अस्पताल के लेडीज वार्ड में सैनिटरी पैड्स और डायपर्स वितरित किए गए। सिविल अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों को फल वितरित किए गए। साथ ही उन्हें सफाई के लिए जागरूक भी किया। एडवोकेट पूर्णिमा मल्होत्रा, रजनी अरोड़ा, सिम्मी चोपड़ा, सोनिका वधवा ने बताया कि जेसीआई कुरुक्षेत्र द्वारा वर्षभर सामाजिक, जनहित कार्य किए जाते हैं। इसी कड़ी में शनिवार को सिविल अस्पताल में क्लब की सभी महिलाओं ने जाकर जहां मरीजों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया, वहीं महिलाओं के लिए सेनेटरी पैड और बच्चों के लिए डायपर्स वितरित किए। इसके अलावा फल फ्रूट भी वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि इस दौरान सिविल अस्पताल के डॉक्टरों को भी सम्मानित किया गया। इनमें पीएमओ डॉक्टर साराह अग्रवाल, डॉक्टर अनूप मेहता, डॉक्टर संदीप कोठारी को उनकी विलक्षण सेवाओं का सम्मान करते हुए जेसीआई कुरुक्षेत्र द्वारा सम्मानित किया गया। सिविल अस्पताल के डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन ने जेसीआई कुरूक्षेत्र की पूरी टीम का आभार प्रकट किया। इस मौके पर राजविंदर कौर, सीमा बंसल, सीमा जुल्का, दीपिका कवातरा, अंजू सिंगला, चारू बजाज, मनप्रीत कौर, चरणजीत कौर, अंजली व अन्य सदस्य मौजूद रहे।

# नवनीत कौर बनी प्लेयर ऑफ ईयर

दिल्ली में संपन्न हुए वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शाहबाद

हॉकी इंडिया की ओर से 27 मार्च को दिल्ली में संपन्न हुये वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में भारतीय महिला हॉकी टीम की उपकप्तान व शाहाबाद की बेटी नवनीत कौर को हॉकी के बड़े खिताब ओलंपियन बलबीर सिंह अवार्ड से नवाजा गया और प्लेयर ऑफ दी ईयर घोषित किया गया। इन्हीं उपलब्धियों को देखते हुये शाहाबाद के मीरी-पीरी इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल साईंस एंड रिसर्च चेरिटेबल ट्रस्ट में भारतीय महिला हॉकी टीम की उपकप्तान नवनीत कौर, उनके पिता बूटा सिंह व भाई युवराज सिंह को सम्मानित किया गया है। चेरिटेबल ट्रस्ट के सी.ई.ओ संदीप इन्द्र सिंह चीमा, सिख मिशन हरियाणा के इंचार्ज सुखविन्द्र सिंह, हरियाणा सिख पंथक दल के अध्यक्ष जगदेव सिंह गाबा, काला सिंह विर्क, नवनीत सिंह कोहली, जसबीर सिंह, इंदरपाल सिंह, शेर सिंह ने सिरोपा डालकर व स्मृति चिन्ह भेंट करके नवनीत कौर का सम्मान किया। इस दौरान सिख मिशन हरियाणा के इंचार्ज सुखविन्द्र सिंह ने कहा कि कार्यकारी समूह के चेयरमैन रघुजीत सिंह विर्क, वाइस चेयरमैन बलदेव सिंह कायमपुर और शिरोमणी प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर साहिब की ओर से नवनीत कौर का स्वागत किया गया है। नवनीत कौर ने अपनी उपलब्धियों को श्रेय कोच बलदेव सिंह को देते हुए बताया कि बलबीर सिंह अवार्ड के साथ उन्हें 20 लाख रुपए और 206 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर 2 लाख की राशि के चैक दिए गए हैं।

## महाराजा अग्रसेन के विचार आज भी प्रासंगिक

**कुरुक्षेत्र।** गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने भारतीय समाज में एक आदर्श स्थापित किया जिसे विश्व के प्रत्येक लोकतांत्रिक देश को अपनाने की जरूरत है। अग्रवाल समाज में अच्छे संस्कार सिखाए जाते हैं। महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांत और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। हमें अपने जीवन में इन्हें अपनाना चाहिए। वे रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित अग्रवाल धर्मशाला में अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की कुरुक्षेत्र इकाई द्वारा आयोजित अग्र भगवत कथा शुभारंभ पर आशीर्वचन दे रहे थे। इस कथा में अग्रवाल समाज की प्रतिष्ठान विभूतियों सहित कई नगरों से अग्रवाल समाज के लोग शामिल हुए। व्यासपीठ से राष्ट्रपति द्वारा स्वर्ण पत्र से सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक उज्जवल गर्ग ने प्रसंगों में कथा महात्म्य, भगवान शंकर का वरदान और महाराजा अग्रसेन जन्म विस्तारपूर्वक सुनाया। कुरूक्षेत्र के सांसद नवीन जिंदल ने बतौर मुख्यातिथि दीप प्रज्ज्वलित किया जबकि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग अति विशिष्ट अतिथि रहे। कथा के मुख्य यजमान अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री खैराती लाल सिंगला और प्रदेश उपाध्यक्ष व श्रीवैश्य अग्रवाल पंचायत, कुरुक्षेत्र के प्रधान विशाल सिंगला ने पदाधिकारियों के साथ सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया।

## फिल्म 'बकरी' ने जीता दर्शकों का दिल : भारद्वाज

**कुरुक्षेत्र।** हरियाणा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के 8वें संस्करण में हरियाणा की मिट्टी से जुड़ी कहानियां दर्शकों को खूब प्रभावित कर रही हैं। इसी क्रम में फिल्म बकरी के निर्देशक आर.जे. भारद्वाज ने स्क्रीनिंग के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए फिल्म निर्माण से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। निर्देशक ने बताया कि फिल्म की कहानी प्रसिद्ध लेखक हरिओम कौशिक के विचारों से प्रेरित है। फिल्म समाज में व्याप्त जातिवाद और भेदभाव पर चोट करती है तथा सामाजिक समरसता का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य एक ऐसी कहानी पेश करना था जो समाज को जोड़े। आज की जनरेशन में जातिवाद कम हो रहा है, लेकिन इसे पूरी तरह खत्म करना और समरसता लाना ही फिल्म का मुख्य उद्देश्य है। फिल्म की मेकिंग पर बात करते हुए भारद्वाज ने बताया कि बच्चों और जानवरों के साथ काम करना काफी चुनौतीपूर्ण रहा।

कार्यक्रम | कला कीर्ति भवन में दिखाए अशोक के जीवन द्वंद्व, तालियों से गूंजा सभागार

# रंगरथ नाट्य महोत्सव में मंचित हुआ नाटक 'सम्राट अशोक', सफीदों के कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

कुरुक्षेत्र। नाटक में प्रस्तुति देते कलाकार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर हरियाणा कला परिषद द्वारा कला कीर्ति भवन में तीन दिवसीय रंगरथ नाट्य महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसके पहले दिन रास कला मंच सफीदों के कलाकारों ने नाटक सम्राट अशोक का मंचन किया। कला परिषद के निदेशक विवेक कालिया के नेतृत्व में आयोजित तीन दिवसीय नाट्य उत्सव के पहले दिन वरिष्ठ रंगकर्मी बृजकिशोर शर्मा, नीरज सेठी, चंद्रशेखर दुआ, सुरेखा और हरियाणा कला परिषद के कार्यालय प्रभारी धर्मपाल ने दीप प्रज्जवलित कर उत्सव का शुभारम्भ किया। मंच का संचालन विकास शर्मा द्वारा किया गया।

### दो घंटे किया मंचन

पद्मश्री दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित और अंकिता के निर्देशन तथा रविमोहन के मार्गदर्शन में मंचित लगभग दो घण्टे की अवधि वाला नाटक सत्ता, युद्ध और विजय की कथा से आगे बढ़कर एक ऐसे शासक की आत्मिक यात्रा को दिखाता है, जो हिंसा के मार्ग से हटकर करुणा और धम्म के रास्ते पर चलता है। कंलिग युद्ध की विभीषिका अशोक के अंदर गहरा द्वंद्व पैदा करती है। युद्धभूमि में बहता रक्त, स्त्रियों और बच्चों की चीखें, उजड़ते हुए नगर सब अशोक के हृदय को झकझोर देते हैं और यहीं से अशोक का परिवर्तन प्रारम्भ होता है। सम्राट अशोक में दिखाया कि अशोक जन्म के समय से ही काफी कुरूप थे। लेकिन एक वीर योद्धा थे। कलिंग युद्ध ने बदली अशोक की मनोदशा, हिंसा को त्याग अहिंसा का मार्ग अपनाया।

# NEW HAPPY PUBLIC SCHOOL

## (AFFILIATED TO C.B.S.E., NEW DELHI UPTO 10+2)

## SUDHAIL, YAMUNANAGAR

SCAN TO GET DIRECTION

## ADMISSION OPEN For Classes Nursery - 9th & 11th

(Science, Commerce & Arts)

### BUILDING MINDS... SHAPING FUTURES....

- Smart Classrooms
- Modern Physics, Chemistry, Biology, & Composite Laboratories
- Mathematics and ICT Labs
- Rich Library
- Activity & Kids Gym Room
- ICT-Enabled Learning
- Table Tennis, Cricket, Volleyball, Football
- 24×7 CCTV Surveillance
- Indoor & Outdoor Sports
- Yoga & Fitness Training
- Cultural & Literary Clubs
- Fire Safety Equipment
- Hygienic Drinking Water & Sanitation
- Medical Room
- Regular Parent-Teacher Interaction Sessions
- Value Based Education

BE A

HAPPIAN

01732-291111, 292222 www.nhpssudhail.com nhpssudhail

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 29 मार्च 2026


# जीवन की दिशा बदल देगा जापानी दर्शन
# मिलेगी अच्छी सेहत-खुशी और सुकून

शांति पसंद करने वाले खुशहाल-समृद्ध देश जापान के लोगों का जीवन दर्शन ही ऐसा है, जो उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और भरपूर सुकून देता है। जापानी जीवन दर्शन के कुछ सरल सिद्धांत अपनाकर आप भी अपने जीवन में खुशहाली के साथ सफलता भी हासिल कर सकते हैं। जापानी दर्शन के ऐसे ही कुछ सिद्धांतों के बारे में जानिए।

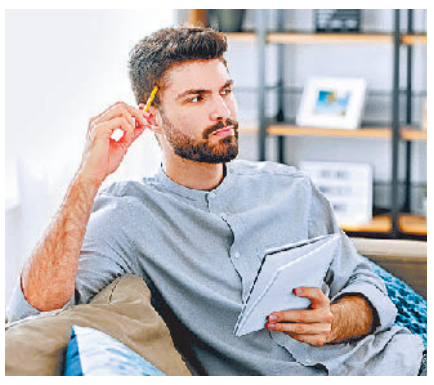

{ कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन }

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई सफलता के साथ-साथ सुकून और शांति की चाहत भी रखता है। लेकिन समृद्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा के पीछे भागते हुए हम अकसर उस सबसे कीमती चीज को खो देते हैं, जिसे 'सुकून' कहते हैं। गलत खान-पान, बढ़ती मानसिक-शारीरिक बीमारियां, तनाव, अकेलापन और हर वक्त मन में कुछ अधूरा-सा महसूस होना, आधुनिक समय में लगभग हर व्यक्ति की समस्या बन चुकी है। ऐसे में सदियों पुराने जापानी जीवन दर्शन से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं।

### हारा हाची बु सेहत-दीर्घायु का आहार मंत्र

जापानी स्वास्थ्य दर्शन का एक गोल्डन रूल है 'हारा हाची बु'। इसका सरल अर्थ है, 'केवल तब तक खाएं, जब तक आपका पेट 80 प्रतिशत न भर जाए।' यह सिद्धांत हमें 'ओवर ईटिंग' से बचाता है। वैज्ञानिक रूप से, मस्तिष्क को पेट भरने का संकेत मिलने में लगभग 20 मिनट लगते हैं। जब हम 80 प्रतिशत पर रुक जाते हैं, तो हम वास्तव में अपनी भूख के अनुसार सटीक मात्रा में खाते हैं। यह आदत हमें मोटापे, हृदय रोग और मधुमेह को दूर रखती है। जापान के प्रांत ओकिनावा के लोगों की लंबी उम्र का एक बड़ा कारण इस जीवन दर्शन को माना जाता है।

### शोकूनिन अपने काम में रुचि लेना

जो लोग अपने पेशे या व्यवसाय को बोझ समझते हैं और अपनी किस्मत को कोसते हुए इसे किसी तरह निपटाने की मानसिकता रखते हैं, वे न तो प्रोफेशनल फ्रंट पर सफल हो पाते हैं न सुखी रहते हैं। ऐसे में आपको जापानी दर्शन 'शोकूनिन' समझना चाहिए। इसका अर्थ केवल 'कारीगर' से संबंधित नहीं है, बल्कि यह एक दृष्टिकोण है। एक शोकूनिन अपने काम को पूर्णता के साथ करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर देता है, चाहे वह सुशी जैसी डिश बनाना हो या जूते की सिलाई करना हो। इसमें हमारे काम के प्रति गहरी जिम्मेदारी का भाव निहित होता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि काम केवल पैसा कमाने का जरिया नहीं, बल्कि अपने व्यक्तित्व को निखारने का एक साधन भी है। जब हम शोकूनिन भाव से काम करते हैं, तो काम बोझ नहीं, बल्कि आनंद का जरिया बन जाता है।

### काइजन छोटे सुधारों का जादू महसूस करें

जापानी दर्शन काइजन का अर्थ है-बेहतरी के लिए बदलाव। अकसर हम सोचते हैं कि जीवन बदलने के लिए रातों-रात कोई बड़ा परिवर्तन करना होगा। लेकिन काइजन कहता है कि आप हर दिन स्वयं में केवल एक प्रतिशत सुधार करें। जैसे आदतों में, अनुशासन में, नई चीजें सीखने में, रिश्तों में। ये छोटे-छोटे सुधार साल के अंत में आपको एक नया इंसान बना देंगे। टोयोटा जैसी कंपनियों की सफलता में बड़ी भूमिका निभा चुकी यह जीवन पद्धति, व्यक्ति के रूप में हमें भी नई ऊंचाइयों पर ले जाती है।

### वाबी-साबी अपूर्णता में सुंदरता की तलाश

हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां 'परफेक्ट' दिखने का जुनून हम में से अधिकतर लोगों पर हावी है। जापानी दर्शन 'वाबी-साबी' इसके विपरीत बात कहता है। यह हमें सिखाता है कि कुछ भी स्थायी नहीं है और कुछ भी पूर्ण नहीं है। पुराने पत्थरों पर जमी काई या दरार पड़े मिट्टी के बर्तनों में भी एक इतिहास और सुंदरता होती है। यह दर्शन हमें अपनी कमियों को स्वीकार करना सिखाता है। जब हम अपनी 'अपूर्णता' को स्वीकार कर लेते हैं, तो अनावश्यक सामाजिक प्रदर्शन का अनावश्यक बोझ उतर जाता है।

### किंतसुगी जख्मों का स्वर्ण श्रृंगार

जापान में जब कोई मिट्टी का बर्तन टूटता है, तो उसे फेंकने के बजाय सोने की परत से जोड़ा जाता है। इसे 'किंतसुगी' कहते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमारे जीवन के घाव, असफलताएं और बुरे अनुभव हमें कमजोर नहीं, बल्कि और भी कीमती बनाते हैं। टूटने के बाद जब हम खुद को फिर से जोड़ते हैं, तो हम पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, सुंदर और अद्वितीय होकर उभरते हैं।

### शिनरिन-योकू प्रकृति की मौन चिकित्सा

जापानी लोग 'फॉरेस्ट बाथिंग' में विश्वास रखते हैं। इसका अर्थ है प्रकृति के माहौल को अपनी पांचों इंद्रियों से महसूस करना। मोबाइल, टीवी, लैपटॉप को छोड़कर नेचर के करीब समय बिताना एक कारगर चिकित्सा है। नेशनल ज्योग्राफिक के शोध के अनुसार, पेड़ों के बीच समय बिताने से तनाव का हार्मोन 'कोर्टिसोल' कम होता है और इम्यूनिटी बढ़ती है।

### गमन धैर्य और गरिमा का संगम

जापानी दर्शन 'गमन' का अर्थ है प्रतिकूल परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। चाहे सुनामी आए या व्यक्तिगत संकट, जापानी समाज विलाप करने के बजाय शांत रहकर पुनर्निर्माण में जुट जाता है। यह दर्शन हमें सिखाता है कि सहनशीलता का अर्थ हार मानना नहीं, बल्कि कठिन समय में गरिमा के साथ अडिग रहना है।

### इकिगाई सुबह जागने का ठोस कारण

जापान के ओकिनावा द्वीप को 'ब्लू जोन' कहा जाता है, जहां लोग 100 साल से अधिक जीते हैं। उनकी लंबी आयु का रहस्य है-इकिगाई के अनुसार जीना। इकिगाई का अर्थ है, जीवन जीने का उद्देश्य। यह चार स्तंभों पर टिका होता है। आप क्या पसंद करते हैं, आप किसमें कुशल हैं, दुनिया को इससे क्या मिलेगा और आपको किस काम के लिए पैसे मिल सकते हैं? फोर्ब्स के अनुसार, जिस दिन व्यक्ति को अपनी इकिगाई मिल जाती है, उसके जीवन से बोरियत, ऊब, तनाव और 'रिटायरमेंट' जैसे शब्द गायब हो जाते हैं, क्योंकि वह ऐसा काम कर रहा होता है जिससे उसे प्यार होता है।

जापानी दर्शन के ये सरल सिद्धांत अगर आप अपनाकर जीवन जीना सीख लें तो आपको जीवन में भरपूर खुशी और सुकून मिलेगा। *

# सोलो एजिंग बढ़ती उम्र में जिंदगी का भरपूर मजा

अभी तक यही माना जाता रहा है कि सेवानिवृत्त और दायित्वों से मुक्त होने के बाद बुजुर्ग लोग अकेलेपन-उदासी भरी जिंदगी जीते हैं। लेकिन कई अध्ययनों से साबित हुआ है कि बुजुर्ग अब सोलो एजिंग को खूब एंज्वॉय करना सीख गए हैं। अब वे उदास नहीं हर पल को खुल कर जीते हैं।

{ लाइफस्टाइल
डॉ. मोनिका शर्मा }

एक ताजा अध्ययन में बुजुर्गों से जुड़ा यह निष्कर्ष सामने आया है कि उम्रदराज लोग अब शिकायतों के बजाय खुद को संभालने की राह चुन रहे हैं। स्टडी में शामिल अधिकतर वरिष्ठजनों ने बताया कि वे पांच साल से ज्यादा समय से अकेले रह रहे हैं। उम्र के इस पड़ाव पर जिंदगी को मैनेज करने में आने वाली परेशानियों को भूलकर उन्होंने अकेले रहना चुना है। सोलो एजिंग के इस सफर में अपने जीवन से खुश रहने वाले बुजुर्गों का आंकड़ा ज्यादा है। एजवेल फाउंडेशन की इस रिपोर्ट के मुताबिक हमारे देश में सोलो एजिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है। अकेले रहने वाले बुजुर्गों में 46.9 फीसदी सोलो एजर्स अपनी जिंदगी से खुश हैं, जबकि 41.5 प्रतिशत असंतुष्ट हैं। 10,000 बुजुर्गों को लेकर की गई यह स्टडी उम्रदराज लोगों के मन और जीवन का बदलता खाका हमारे सामने रखती है।

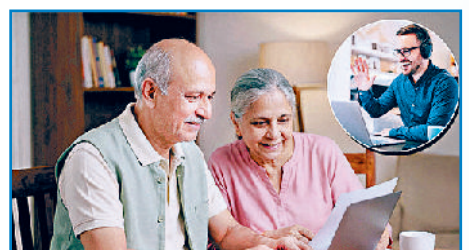

**शिकायत नहीं एडजस्टमेंट की सोचः** बच्चों के करियर के लिए विदेश या दूसरे शहरों में जाने के बाद अकेले रह रहे बुजुर्ग, दोषारोपण के बजाय अपनी देखभाल खुद ही करने की राह चुन रहे हैं। यह सच है कि संयुक्त परिवारों के टूटने से घर के बड़े सदस्यों में अकेलापन बढ़ा है पर वे अपने आप को बिजी रखना भी सीख रहे हैं। दूर रहने वाले बच्चों से जुड़े रहने के लिए गैजेट्स को यूज करना सीख रहे हैं। बुजुर्ग यह समझते हैं कि उनके बच्चे चाहकर भी हर समय उनके साथ नहीं रह सकते। यही वजह है कि इन हालातों में तनाव में घिरने के बजाय वे खुशी-खुशी जीवन से जूझने के रास्ते पर चलने लगे हैं। सोलो एजिंग का यह ट्रेंड बड़े-बुजुर्गों की बदलती लाइफस्टाइल से जुड़े इसी पहलू की तस्दीक करता है।

**सक्रियता को प्राथमिकताः** सुखद यह है कि सोलो एजिंग का ट्रेंड कोई थोपे जाने वाला चलन नहीं है। अकेले रहने वाले बुजुर्ग बहुत-सी परेशानियों का सामना करने के बावजूद खुद को सक्रिय रखने के फ्रंट पर जी-जान से जुटे रहते हैं। थकते कदमों के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों का बोझ नहीं, बल्कि सक्रिय रहने का बहाना मानते हैं। अकेले सब कुछ मैनेज करने के दबाव को एक्टिव और सधी हुई जीवनशैली के रूप में देखने लगे हैं। इस उम्र में सेहत और सामाजिक जीवन से जुड़ी बहुत-सी उलझनों के बीच भी अपने मन को संभालने का जतन वे खुशी से कर रहे हैं। किसी भी तरह के व्यायाम, वॉकिंग, योग आदि के लिए समय निकालते हैं। एक्टिव एजिंग वाली जीवनशैली, उनको स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक एक्टिव एजिंग, बुढ़ापे को एक प्रोडक्टिव और खुशनुमा अनुभव बनाने की स्ट्रेटजी है, न कि इसे अंत मानने की। मौजूदा दौर में बुजुर्ग इस खुशनुमा ट्रांसफॉरमेशन के लिए तकनीक की मदद भी ले रहे हैं। ऑनलाइन सुविधाओं से लेकर अपने बच्चों और रिश्तेदारों से जुड़े रहने तक, बुजुर्गों ने तकनीक के नए रंगों को सहजता से अपनाया है।

**कर रहे आजादी का एहसासः** असल में सोलो एजिंग के चलन से आत्मनिर्भर बनने का भाव भी जुड़ा है। अपनी जिंदगी को अपने अंदाज में जीने से आजादी का गहरा एहसास भी जुड़ा है। यही वजह है कि अकेलेपन और हेल्थ से जुड़ी बहुत-सी चुनौतियों के बावजूद बुजुर्गों का एक बड़ा वर्ग यानी 46.9 प्रतिशत बुजुर्ग इन हालातों को स्वतंत्र रूप से अपना जीवन जीने के तौर पर भी देख रहा है। इसी एक पॉजिटिव सोच के चलते उम्रदराज लोग अकेले रहकर भी अपने जीवन से खुश हैं। इस स्टडी के मुताबिक 31 फीसदी से ज्यादा बुजुर्गों ने फाइनेंशियल और सोशल स्वतंत्रता के लिए अकेले रहने का विकल्प चुना है। वहीं 26.7 फीसदी का कहना है कि परिवार के युवा मेंबर्स के बाहर जाने से वे अकेले रह रहे हैं। नई पीढ़ी के दूर जाने को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय बुजुर्ग इसे इंडिपेंडेंट रहने के अवसर की तरह देखने लगे हैं। शारीरिक रूप से नहीं भावनात्मक फ्रंट पर भी बुजुर्ग अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहना चाहते। उम्रदराज लोगों के लिए यह स्वतंत्रता उनके सुकून से भी जुड़ी है। *

{ व्यंग्य / राजा चौरसिया }

# बने रहो पगला...

'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे।

यह सेंट पर्सेंट पेटेंट सत्य है कि एकरसता से नीरसता ही उपजती है। पतझड़ के बाद ही वसंत वाली बहार की भरमार आती है। इसी प्रकार बीमार के लिए अनार परोसने के क्रिया-कलाप का प्रदर्शन अनिवार्य कार्य है। यदि उत्सव न होते तो ढेर सारी सुख- सुविधाओं के रहते हुए भी खुशी के अभाव में नदी किनारे घोंघा प्यासा की कहावत ही चरितार्थ होती रहती। जैसे रात के बाद ही प्रभात आता है, अमावस्या के उपरांत ही पूर्णिमा होती है। इसी प्रकार मूर्खता के पश्चात ही विद्वता का अवतरण होता है। कीचड़ के बिना कमल की कल्पना, धुएं के बादलों से बरसात की सरासर झूठी कल्पना सरीखी है। हार्ट को रुचने वाले शॉर्ट और स्मार्ट शब्दों में यह डंके की चोट पर कहा जा सकता है कि मूर्खता या मूढ़ता ही विद्वता की मातेश्वरी होती है। हाथी के दांत के आचरण वाले उदाहरण हवा-पानी की तरह यत्र-तत्र, सर्वत्र व्याप्त हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए ही कुछ चतुर चालाक लोग बुद्धिमान होते हुए भी मूढ़ बने रहते हैं। इसीलिए संयोग नहीं बल्कि दुर्योग है कि असली और फसली मूर्खों से ज्यादा नकली मूर्खों की तादाद बेमियाद बढ़-चढ़ रही है। अत्याधुनिकता की मानसिकता एवं प्रासंगिकता को प्राथमिकता देने से नकली मूर्खों या धूर्तों की बाढ़ खासी प्रगति पर है। झूठे शुभचिंतकों तथा सच्चे अशुभचिंतकों के इस काबिलेगौर दौर में चातुर्य का प्राचुर्य रहते हुए भी दूसरों के सामने मूर्ख, बुद्धू, घुग्घू और उल्लू बने रहने के कायदे से फायदे ही फायदे हैं। मन से थू-थू करते हुए भी मुंह से आई लव यू कहना अवसरवाद का बढ़िया अपडेट सर्टिफिकेट है। मीठे गवाक्ष से तीखे कटाक्ष करने का बेहतरीन एवं हसीन आइडिया है। बुद्धिजीवी को मित्र बनाना मूर्खता है, लेकिन किसी मूर्ख को बुद्धिमान होने का आभास कराना सबसे कारगर बुद्धिजीविता है। 'बने रहो पगला, काम करे अगला' की रीति-नीति से प्रीति का रवैया आज सुपरहिट हो चुका है। घर, दफ्तर हो या आस-पड़ोस सरल से सरल काम भी न कर पाने का प्रमाण दिखाकर आपको मूर्ख घोषित कर दिया जाएगा तो आगे कभी कोई काम करने की जिम्मेदारी आपको नहीं मिलेगी। आप ऐड़ा बनकर पेड़ा खाते रहेंगे और जो बुद्धिमान हैं, काम में खपते और मन ही मन कुढ़ते रहेंगे। मूर्ख न होकर भी मूर्ख बने रहने से ही दांपत्य जीवन की कुशलता विशेष तो नहीं, मगर शेष बची ही रहती है। जान-बूझकर उल्लू यानी गृहलक्ष्मी के वाहन बने रहने से गृहस्थी की गाड़ी सरपट दौड़ती रहती है। ज्वालामुखी को चंद्रमुखी अर्थात् लालमिर्ची को मिश्री कहने का यह नीक-सलीका भरपूर स्वागतेय है। विद्वता झाड़ते हुए तर्क, वितर्क और कुतर्क से बेकार का भेजा भंजन ही होता है, जबकि जन्म से ही मूर्ख पैदा हुए उच्च पदासीन मंत्री या अफसर को इंटेलीजेंट, ब्रिलिएंट तथा डिलीजेंट होने का आभास कराते रहने से अपना उल्लू सीधा होता रहता है। जनता का सेवक बनकर महानुभाव कितनी मलाई खाते हैं, यह सेवा करवाने वाली जनता खूब जानती और समझती है। दरअसल, जनतंत्र में तो जनता मूर्ख न होकर भी मूर्ख बनती ही रहती है। उसके लिए कोई खास दिन नहीं, हर दिवस सहर्ष मूर्ख दिवस ही होता है। मूर्ख दिवस वास्तव में उन लोगों का ही उत्सव है, जो दीन, हीन और खुद को मूर्ख बताकर दूसरों को मूर्ख बनाते हैं, अपना काम निकलवाते हैं। *

विज्ञापन...
इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार
नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।
सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। NBC@

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

# मेरे लिखने की मेज

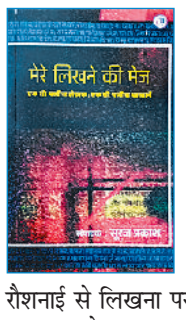


हाल में वरिष्ठ साहित्यकार सूरज प्रकाश के संपादन में 'मेरे लिखने की मेज' पुस्तक छपकर आई है। इसमें नई और वरिष्ठ पीढ़ी के कुल मिलाकर 125 लेखकों की उनके लेखन से जुड़ी दास्तानें दर्ज हैं। यह किताब पढ़कर लेखन प्रक्रिया को अलग-अलग दृष्टिकोणों से समझा जा सकता है। कोई रचना लिखने की शुरुआत कैसे होती है, उसके लिए अनुकूल स्थिति या वस्तुएं क्या होती हैं, लिखने के पहले और उसके बाद किस तरह का अनुभव होता है, कौन से कारण लिखने के लिए किसी लेखक को विवश करते हैं? ऐसे तमाम सवालों के जवाब किताब में शामिल लेखकों ने दिए हैं। वरिष्ठ लेखक असगर वजाहत अपने लेखन के बारे में कहते हैं, 'सफेद कागज पर काली रौशनाई से लिखना पसंद करता हूं। सफेद को काला करने का जुनून सा उठता रहता है। सफेद कागज मुझे बेचैन कर देता है।' अपने लेखन के बारे में आकांक्षा पारे कहती हैं, 'मुझे रात की जरूरत होती है, जब मुझे पता है, कोई फोन नहीं करेगा, दरवाजे की कोई घंटी नहीं बजेगी।' वरिष्ठ कथाकार प्रकाश मनु लेखन को पूजा-अर्चना की तरह पवित्र कर्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'अपने कमरे के जिस कोने में बैठकर मैं लिखता-पढ़ता हूं, वहां गंगा, यमुना, सरस्वती तीनों नदियां बहती हैं। इसलिए उससे पवित्र स्थान तो कोई और हो ही नहीं सकता।' वरिष्ठ कवि लीलाधर मंडलोई अपनी रचना प्रक्रिया के बारे में कहते हैं, 'लिखते वक्त अपने संगतकारों यानी डायरी, कागज, पेन और लिखने की आधार जगह से संगत बनाता हूं... और मैं आगत रचना के सामने विनत भाव से बैठ जाता हूं।'

भले ही यह किताब किस्से, कहानी या कविता की नहीं है लेकिन इसे पढ़ने के दौरान रोचक कहानियों के पढ़ने जैसा ही आनंद आता है। *

पुस्तकः मेरे लिखने की मेज, संपादकः सूरज प्रकाश, मूल्यः 449 रुपए, प्रकाशकः अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

रोचक
अंजू जैन

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

फर्स्ट अप्रैल यानी अप्रैल फूल डे पर लोग एक-दूसरे के साथ प्रैंक कर खूब एंज्वॉय करते हैं। अतीत में इस मौके पर कुछ मशहूर कंपनियों, टेलीविजन और रेडियो स्टेशंस ने ऐसे प्रैंक्स किए, जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हुई। यहां ऐसे ही कुछ चर्चित अप्रैल फूल प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं।

# दुनिया भर में मशहूर हुईं ये मजेदार शरारतें

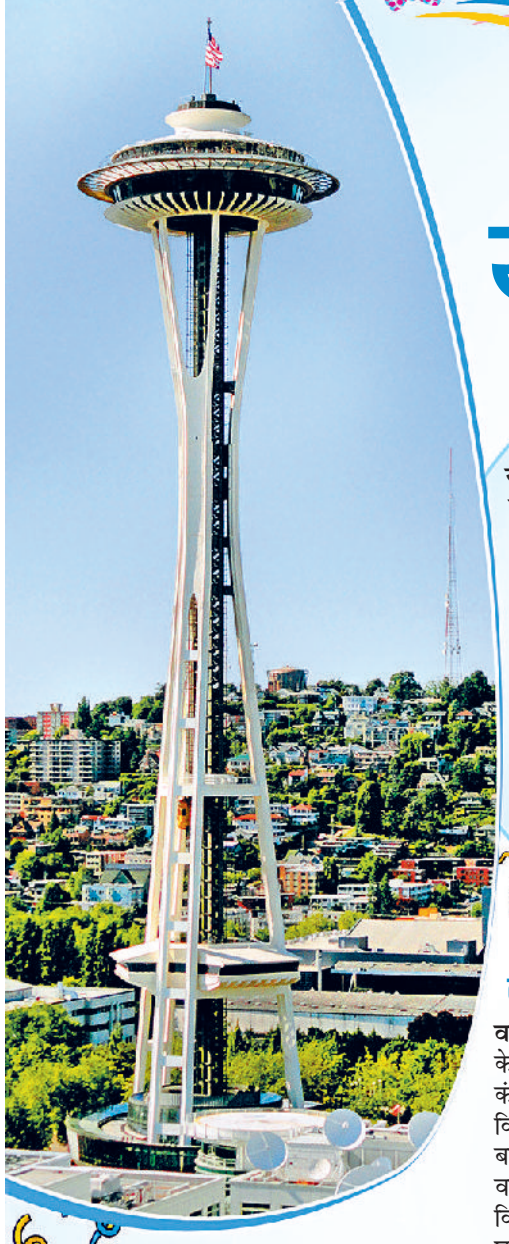

## स्पेस नीडल गिरने की खबर

**यह प्रैंक** 1 अप्रैल 1989 को शाम के समय टीवी पर प्रसारित किया गया था। सिएटल के एक स्थानीय स्केच कॉमेडी शो, 'ऑलमोस्ट लाइव!' ने किंग टीवी पर एक विशेष रिपोर्ट प्रसारित की थी। रिपोर्ट में गंभीरता से दावा किया गया कि शाम 6:53 पर वाशिंगटन के सिएटल में स्थित स्पेस नीडल गिर गई है। शो ने टॉवर के गिरने की फर्जी तस्वीरें और चश्मदीदों के झूठे इंटरव्यू भी दिखाए। यह प्रैंक इतना विश्वसनीय लगा कि पूरे सिएटल में दहशत फैल गई। लोगों ने घबराहट में इमरजेंसी सेवाओं पर इतने फोन किए कि लाइनें ठप हो गईं। यहां तक कि टॉवर के आस-पास रहने वाले लोग भागने लगे। स्थिति बिगड़ने के बाद, चैनल को तुरंत स्पष्ट करना पड़ा कि यह सिर्फ एक मजाक था। बाद में, शो के निर्माताओं और चैनल को इस प्रैंक के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी थी। *

## टूथपेस्ट से बर्गर की स्मेल

**साल 2017** में फास्ट-फूड चेन बर्गर किंग ने दावा किया कि उन्होंने एक ऐसा टूथपेस्ट बनाया है, जिसमें एक्टिव हॉपर अर्क है, इसके कारण आपके मुंह से हमेशा बर्गर की खुशबू आएगी। लोग ब्रश करने के बाद भी अपने पसंदीदा बर्गर के स्वाद का आनंद ले सकेंगे। विज्ञापन में बताया गया कि इसमें 'व्हाइटनिंग अनियन' (सफेद करने वाले प्याज), 'डेली फ्रेश टोमैटो' (ताजा टमाटर) और एंटी-कैविटी स्टेक (कैविटी रोकने वाला मांस) जैसी चीजें शामिल हैं। इस प्रैंक को असली दिखाने के लिए बर्गर किंग फ्रांस और विज्ञापन एजेंसी बजमैन ने एक 60 सेकेंड का कमर्शियल वीडियो भी जारी किया था। यह प्रैंक मार्च के अंत में (29-31 मार्च) शुरू किया गया था ताकि 1 अप्रैल तक लोगों को भ्रमित किया जा सके। यह केवल एक मजेदार विज्ञापन अभियान था और बर्गर किंग ने कभी-भी ऐसा कोई टूथपेस्ट बाजार में नहीं बेचा। *

## लेफ्ट-हैंडेड बर्गर

**वर्ष 1998** में एक अप्रैल के आस-पास बर्गर किंग कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन दिया कि उन्होंने बाएं हाथ से काम करने वाले लोगों के लिए एक विशेष बर्गर बनाया है, जिसमें सभी मसाले 180 डिग्री घुमाकर रखे गए हैं। यह सुनकर हजारों लोग इसे ऑर्डर करने लगे। बाद में पता चला कि यह प्रैंक था। *

## हूटर्स वेट्रेस और योडा

**वर्ष 2001** में घटित हुई एक घटना, जो एक मजाक के रूप में शुरू हुई थी, लेकिन बाद में यह कानूनी लड़ाई में बदल गई थी। इसे 'टॉय योडा' केस के रूप में जाना जाता है। हुआ यह कि अप्रैल 2001 में, पनामा सिटी बीच, फ्लोरिडा के हूटर्स रेस्तरां के मैनेजर ने अपनी वेट्रेसेस के बीच बीयर बेचने की एक प्रतियोगिता रखी। मैनेजर ने वादा किया कि जो सबसे ज्यादा बीयर बेचेगी, उसे इनाम में एक नई टोयोटा (कार) दी जाएगी। जोडी बेरी नाम की वेट्रेस ने सबसे ज्यादा बिक्री की और प्रतियोगिता जीत ली। जब इनाम देने का वक्त आया, तो मैनेजर ने जोडी की आंखों पर पट्टी बांधी और उसे पार्किंग लॉट में ले गया। लेकिन वहां कोई कार नहीं थी। इसके बजाय उसे 'स्टार वार्स' फिल्म के पात्र योडा का एक खिलौना थमा दिया गया। जोडी को यह मजाक बिल्कुल पसंद नहीं आया। उसने नौकरी छोड़ दी। यही नहीं रेस्तरां पर धोखाधड़ी और अनुबंध तोड़ने का मुकदमा भी दायर कर दिया। *

## स्क्रीन में सुगंध

**साल 2013** में गूगल ने अपने एक नए फीचर 'गूगल नोज' के जरिए दावा किया था कि अब लोग सर्च इंजन के माध्यम से चीजों को सूंघ भी सकेंगे। दावा किया गया कि उनके पास 15 मिलियन से अधिक सुगंधों का डेटाबेस है। गूगल यूजर्स को इसका अनुभव लेने के लिए कहा गया कि वे सर्च बार में जाकर कुछ सर्च करें और फिर अपने डिवाइस की स्क्रीन के करीब जाकर सूंघें। इसमें 'नई कार की महक', 'गीले कुत्ते की महक' और यहां तक कि 'मिस्र के मकबरे' जैसी अजीबो-गरीब चीजों को सूंघने का विकल्प दिया गया था। लेकिन इसे टेस्ट करने के लिए जब लोग स्क्रीन सूंघने की कोशिश करते और कुछ महसूस नहीं होता, तो अंत में एक संदेश आता कि यह अप्रैल फूल प्रैंक था। *

पर्यटन स्थल
समीर चौधरी

स्पीति घाटी हिमाचल प्रदेश का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। लेकिन अगर आप यहां स्वच्छ, मनोरम वादियों के बीच आध्यात्मिक शांति का अनुभव लेना चाहते हैं तो 'की गोंपा' यानी 'की मठ' जरूर जाना चाहिए। इसकी विशेषताओं पर एक नजर।

# स्वर्ग जैसी अनुभूति देता है स्पीति घाटी का 'की मठ'

हिमाचल प्रदेश के स्पीति में काजा से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित 'की मठ' की सैर के दौरान आपको एहसास होगा कि जैसे स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया है। हालांकि अपने देश और हिमाचल प्रदेश के अन्य पर्वतीय पर्यटन स्थलों की तुलना में यहां पर्यटकों की आवक कम होती है।

**सबसे पुराना-बड़ा मठः** लगभग 13,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित 'की मठ' स्पीति घाटी में सबसे पुराना और सबसे बड़ा मठ है। पहाड़ के ऊपर स्थित यह मठ कई मंजिला है, जिसकी तुलना अकसर लेह के निकट स्थित आइकॉनिक थिकसे मठ से की जाती है। अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के अतिरिक्त 'की गोंपा' अपनी सुंदर संरचना और शांत वातावरण के लिए भी विख्यात है।

**निर्माण और नवीनीकरणः** की गोंपा का निर्माण 11वीं सदी के आस-पास माना जाता है। इस मठ का गहरा संबंध बौद्ध संत लोचेन रिनचेन जंगपो के पूजनीय अवतारों से है, जो 958 से 1055 ईस्वी के बीच हुए थे। इसकी गहरी जड़ें प्राचीन कदंपा विरासत से भी जुड़ी हैं और इसे लोचेन तुलकुस विरासत की पीठ माना जाता है। इस विरासत के माध्यम से 'की मठ' 11वीं शताब्दी के विख्यात बौद्ध विद्वान और संत अतिशा दिपांकर से भी जुड़ जाता है।

इस मठ का पुनर्निर्माण 15वीं शताब्दी के शुरू में शेरपा जंगपो ने करवाया, जो गेलुग्पा समुदाय के संस्थापक जे त्सोंगखापा के शिष्य थे। पांचवें दलाई लामा के युग में यानी 17वीं शताब्दी में इस मठ पर मंगोलों ने हमला किया, जिसके बाद यह औपचारिक रूप से गेलुग्पा स्कूल (प्रमुख तिब्बती बौद्ध संप्रदाय) का हिस्सा बन गया। फिर 1820 के लद्दाख-कुल्लू टकराव के दौरान भी इसे नुकसान पहुंचा। 1841 में डोगरा सेना और सिख सेना ने इसे काफी नुकसान पहुंचाया। 1840 के दशक में इसमें भयंकर आग भी लगी थी। 1975 में आए भूकंप की वजह से भी इस मठ को काफी नुकसान पहुंचा था। तब आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और स्टेट पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी मरम्मत कराई थी।

**बहुत कुछ है दर्शनीयः** 'की मठ' की बाहरी सुंदरता तो मनोरम और स्वार्गिक अनुभूति देने वाली है ही, मठ के भीतर भी बहुत कुछ ऐसा है, जो दर्शनीय है।

साल 2000 में 14वें दलाई लामा ने इस मठ में एक नए विशाल असेंबली हॉल का उद्घाटन किया था। इस हॉल की दीवारों पर कुछ बहुत ही सुंदर प्राचीन पेंटिंग्स लटकी हुई हैं, जो बुद्ध के पिछले जन्मों की कहानियों को व्यक्त करती हैं। मुख्य असेंबली हॉल के सामने पूजा करने का कमरा है, जिसमें एक विशाल पूजा चक्र है। इसके अलावा पद्मसंभव और अमितायुस की प्रतिमाएं भी हैं। 'की मठ' अपनी वॉल हैंगिंग्स और ऐतिहासिक कलाकृतियों के लिए विख्यात है। मठ के टॉप फ्लोर पर जो अपार्टमेंट है, वह दलाई लामा के लिए आरक्षित है। निचले माले पर मठ की रक्षा करने वाले देवताओं को समर्पित एक मंदिर है, जबकि उसके नीचे जो एक अन्य असेंबली हॉल है, उसे छोटे आयोजनों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यहां दुर्लभ धर्मग्रंथ, पुरानी वॉल पेंटिंग्स और भविष्य के बुद्ध मैत्रेय की मूर्ति भी है।

**यात्रा का उपयुक्त समयः** 'की मठ' की यात्रा के लिए आदर्श समय मई से अक्टूबर के बीच का है, जब यहां हल्की-सुहानी ठंड पड़ रही होती है। सड़कें खुली होती हैं और स्पीति वादी की सुंदरता अपने शबाब पर होती है। इस दौरान यहां का तापमान आमतौर से 10 डिग्री सेंटीग्रेड से 25 डिग्री सेंटीग्रेड के बीच में होता है।

ठंड के मौसम में तो यहां तापमान माइनस 20 डिग्री सेंटीग्रेड तक गिर जाता है। भारी बर्फबारी के कारण सड़कें बंद हो जाती हैं। हालांकि मठ तो खुला रहता है, लेकिन उस तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है।

जो पर्यटक सांस्कृतिक अनुभव लेने की इच्छा रखते हैं, उन्हें अपनी यात्रा की योजना जुलाई में बनानी चाहिए, जब यहां चाम उत्सव का आयोजन किया जाता है। इस उत्सव में बौद्ध भिक्षु परंपरागत मुखौटा नृत्य करते हैं। यह नृत्य बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में किया जाता है। *

मौसम में गर्माहट घुलने के साथ ही युवाओं का फैशन और ड्रेसिंग स्टाइल बदलने लगा है। बदलते हुए फैशन ट्रेंड को देखकर लगता है कि इन गर्मियों में जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज रहेगा। यंगस्टर्स को यह फैशन ट्रेंड क्यों इतना भा रहा है?

# इन गर्मियों में रहेगा जेंडर न्यूट्रल फैशन का क्रेज

ट्रेंड
प्रतिमा अरोड़ा



मार्च की शुरुआत के साथ ही हल्की गर्माहट जैसे वातावरण में फैली तो कॉलेज परिसरों, कैफे और शहर की सड़कों पर एक नया फैशन ट्रेंड दिखाई पड़ने लगा। यह है जेंडर न्यूट्रल फैशन। वास्तव में यह केवल ड्रेस का बदलाव नहीं, बल्कि सोच और पहचान का बदलाव भी है। अब फैशन यह नहीं पूछता कि आप मेल हैं या फीमेल। अब फैशन यह जानना चाहता है कि आप कौन हैं? भारत के युवा विशेषकर जेन-जी और नए प्रोफेशनल्स अब ऐसी ड्रेसेस चुन रहे हैं, जो आरामदायक हों, अभिव्यक्ति के अनुकूल हों और किसी जेंडर विशेष की सीमाओं में न बंधते हों।

### बदल रही है फैशन की परिभाषा

लंबे समय तक फैशन की दुनिया स्त्री और पुरुषों के दो अलग-अलग खांचों में बंटी रही है। लेकिन हाल के सालों में फैशन के बीच जेंडर की यह दूरी धीरे-धीरे धुंधली होने लगी है। आज के युवा मानते हैं, ड्रेस शरीर के लिए होती है, किसी जेंडर विशेष के लिए नहीं। दिल्ली, मुंबई, पुणे और बैंग्लुरु के कॉलेजों में यह अब आम दृश्य है कि एक ही तरह के ओवर साइज शर्ट लड़कियां भी पहनती हैं और लड़के भी। वैसे ही ढीले ट्राउजर भी दोनों पहनते खूब दिखते हैं। जेंडर न्यूट्रल फैशन अब सिर्फ बड़े शहरों और सेलिब्रिटी क्लास की ही सोच नहीं दर्शाता बल्कि यह अवधारणा छोटे शहरों से लेकर मझोले शहरों और कस्बों तक में फैल रही है।

### गर्मियों के लिए है उपयुक्त

जेंडर न्यूट्रल फैशन, किसी और मौसम में चाहे दोनों के लिए उपयुक्त न हो, लेकिन गर्मी के मौसम में यह ब्वॉयज और गर्ल्स दोनों के लिए आरामदायक फैशन माना जाता है। लूज ड्रेसेस, शरीर को जहां पसीने की परेशानी से दूर रखती हैं, वहीं लिनेन और कॉटन जैसे नेचुरल फैब्रिक, त्वचा के अनुकूल होते हैं। यही कारण है कि इन गर्मियों में लिनेन की शर्ट, कॉटन कुर्ते और ढीले ट्राउजर खूब लोकप्रिय होने जा रहे हैं।

### ये कलर्स रहेंगे पॉपुलर

जेंडर न्यूट्रल फैशन की पहचान केवल डिजाइन या फैब्रिक से नहीं, रंगों से भी होती है। आने वाले दिनों में ब्राइट कलर्स की जगह, बेज, व्हाइट, ग्रे, ऑलिव ग्रीन और लाइट ब्लू जैसे प्लीजेंट कलर्स का बोलबाला रहने वाला है। क्योंकि ये कलर्स हमारी आंखों के साथ-साथ त्वचा और पूरे शरीर को गर्मी से राहत देते हैं। इन कलर्स की ड्रेसेस मेल-फीमेल सभी पर सूट करते हैं।

### सोशल मीडिया का रोल

जेंडर न्यूट्रल फैशन की ओर झुकाव की एक बड़ी वजह सोशल मीडिया भी है। इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और पिंटरेस्ट जैसे सोशल साइट्स पर हजारों युवा इन दिनों फैशन कंटेंट खूब बना रहे हैं, जो जेंडर की सीमाओं को तोड़ते हैं। अब फैशन डिजाइनर ही फैशन ट्रेंड तय नहीं करते बल्कि कॉलेज के युवा, यंग प्रोफेशनल्स और कंटेंट क्रिएटर्स भी फैशन के नए ट्रेंड सेट कर रहे हैं। एक सिंपल ओवर साइज शर्ट और लूज ट्राउजर में बनी इंस्टाग्राम की वायरल रील भी लाखों युवाओं को यह फैशन अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

### कंफर्ट-स्टाइल से कहीं बढ़कर

जेंडर न्यूट्रल फैशन, केवल कंफर्ट या स्टाइल का मामला नहीं है। इसे आत्मविश्वास और स्वतंत्र सोच से भी जोड़कर देखा जाता है। यह फैशन स्टाइल युवाओं को यह संदेश देता है कि वे अपनी पहचान स्वयं तय कर सकते हैं। आज के युवा फैशन को पारंपरागत ड्रेस पहनने के नियम का पालन करने के लिए नहीं, बल्कि अपनी सोच, पसंद और स्वतंत्रता को व्यक्त करने के लिए अपना रहे हैं। यही कारण है कि जेंडर न्यूट्रल फैशन, तेजी से युवाओं की पसंद बनता जा रहा है।

### बदल रही फैशन इंडस्ट्री

यंगस्टर्स की पसंद को देखते हुए, देश के प्रमुख फैशन ब्रांड्स में भी अब जेंडर न्यूट्रल यूनिसेक्स कलेक्शन की बड़ी रेंज दिखती है। कई नए स्टार्टअप्स जेंडर-न्यूट्रल ड्रेसेस पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इससे यह स्पष्ट है कि फैशन उद्योग भी अब जेंडर न्यूट्रल जैसे बदलाव को स्वीकार कर चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले वर्षों में फैशन में मैन और वुमेन की बजाय ऑल या यूनिसेक्स जैसे सेक्शन हुआ करेंगे।

कह सकते हैं कि इस साल की गर्मियां अभी से यह स्पष्ट संकेत दे रही हैं कि फैशन अब जेंडर की सीमाओं से मुक्त हो रहा है। जेंडर न्यूट्रल फैशन न्यू एज फैशन का पसंदीदा ट्रेंड बनकर उभर रहा है। *

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

# दर्शकों को खूब आती हैं पसंद हॉरर-कॉमेडी कॉम्बो फिल्में

हालांकि शुरुआती दौर से ही बॉलीवुड में हॉरर फिल्में बनती रही हैं। लेकिन बीते कुछ वर्षों से हॉरर फिल्मों में कॉमेडी का कॉम्बो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि ऐसी फिल्में लगातार बन रही हैं और दर्शकों को पसंद भी आ रही हैं। ऐसी ही कुछ हॉरर-कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

बीते कई वर्षों से हिंदी फिल्मों में हॉरर, थ्रिलर के साथ कॉमेडी वाला तड़का दर्शकों को खूब अट्रैक्ट कर रहा है। रहस्य-रोमांच और साफ-सुथरी कॉमेडी पसंद करने वाले दर्शक इसे सपरिवार देख सकते हैं, क्योंकि इस तरह की फिल्मों में हॉरर और कॉमेडी का कॉम्बो देखने को मिल जाता है। यह इसका प्लस प्वाइंट है।

**हॉरर-थ्रिलर-कॉमेडी का कॉकटेलः** कुछ वर्षों से हॉरर कॉमेडी जॉनर की फिल्मों का दौर चल पड़ा है। ऐसी मूवी में ह्यूमर और हॉरर का कॉकटेल नजर आता है। अजय देवगन की 'गोलमाल अगेन' (2017) में हॉरर और कॉमेडी के साथ-साथ इमोशनल टच भी देखने को मिला। इसी थीम पर बेस्ड 'गो गोवा गॉन' (2013) फिल्म ने भी दर्शकों को बांधे रखा। यह गोवा में फिल्माई गई हॉरर, थ्रिलर और जॉम्बिज एक्शन वाली कॉमेडी मूवी है। वर्ष 2025 में रिलीज हुई 'थाम्मा' में आयुष्मान खुराना ने बेताल (पिशाच) की भूमिका निभाई। इसी फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने मनुष्यों का खून चूसने वाले खतरनाक विलेन का रोल निभाया। वर्ष 2024 में रिलीज्ड 'मुंज्या' भी एक कॉमेडी हॉरर फिल्म है। कोई बड़ा स्टार नहीं होने के बावजूद इस फिल्म ने दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। इससे काफी पहले अमिताभ बच्चन की 'भूतनाथ' (2008) और 'भूतनाथ रिटर्न्स' (2014) भी सुपरनेचुरल कॉमेडी ड्रामा फिल्में थीं। इन दोनों ही फिल्मों की कहानी में नयापन था, ताजगी थी। साथ ही कलाकारों के जानदार अभिनय और कमाल के पिक्चराइजेशन ने दर्शकों को बांधे रखा। इसीलिए ये फिल्में सफल रहीं।

**'स्त्री' ने कर दिखाया कमालः** साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की सफलता ने इस ट्रेंड को सेट करने में बड़ा रोल निभाया। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकारों के अभिनय से सजी इस फिल्म में हर घर के सामने लिखी लाइन 'ओ स्त्री, कल आना!' दर्शकों के दिलोदिमाग में घर कर गई। इस फिल्म के कई दृश्य दर्शकों के मन में आज भी तरोताजा हैं। 'स्त्री' की सफलता के बाद से इस तरह की फिल्मों का ट्रेंड-सा चल पड़ा। 2024 में आई 'स्त्री-2' भी दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी, इस फिल्म को भी बड़ी सफलता मिली।

**इस साल आएगी 'भूत बंगला'ः** इस साल हॉरर-कॉमेडी जॉनर में अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्देशक है प्रियदर्शन। ये वही प्रियदर्शन हैं, जिन्होंने साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'भूल-भुलैया' बनाकर कैरेक्टर मोंजूलिका (विद्या बालन) को फेमस किया था। वैसे आपको बता दें कि कई दशक पहले साल 1965 में महमूद ने ब्लैक एंड व्हाइट 'भूत बंगला' बनाई थी, जिसमें हॉरर, थ्रिलर और कॉमेडी का मनोरंजक मेल था। उस दौर में ये अपनी तरह की नई पहल थी। उसे इस जॉनर की पहली फिल्म भी माना जाता है।

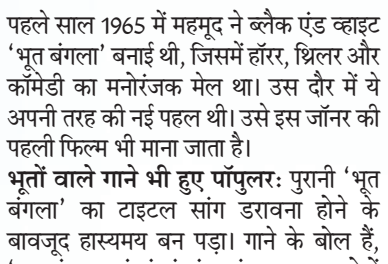


**भूतों वाले गाने भी हुए पॉपुलरः** पुरानी 'भूत बंगला' का टाइटल सांग डरावना होने के बावजूद हास्यमय बन पड़ा। गाने के बोल हैं, 'भूत बंगला, हां हां हां हां कहां आ गए हम दोनों।' इस गाने में महमूद और आर. डी. बर्मन के साथ भूतों को नाचते दिखाया गया है। महमूद, आर. डी. बर्मन और सुदेश की डरावनी आवाजें डराती कम, हंसाती-गुदगुदाती ज्यादा हैं। आने वाली 'भूत बंगला' में भी ऐसे ही एक गाने के बोल हैं, 'रामजी आकर सबका भला करेंगे।' इसमें अक्षय कुमार अजीबो-गरीब वेशभूषा में अजीब, अटपटी हरकतें करते हुए, भूतों के साथ नाचते-गाते दिखते हैं। दर्शकों के मन में सस्पेंस जगाने, डराने के लिए स्पेशल इफेक्ट का सहारा भी लिया गया है। यह कोई नया चलन नहीं है। ऐसे गीतों का सिलसिला काफी पहले से शुरू हो चुका है। फिल्म 'चाचा-भतीजा' (1977) में हेमा मालिनी और सोनिया साहनी पर फिल्माया गया गीत, 'भूत राजा बाहर आ जा। सीधी तरह से मान जा नहीं तो बजा दूंगी तेरा बैंड बाजा।' इसमें उनके साथ धर्मेंद्र और रणधीर कपूर भी हैं। आगे चलकर ऐसा ही गाना 'चालबाज' (1989) में श्रीदेवी और रजनीकांत पर पिक्चराइज किया गया। गाने के बोल थे, 'ओ भूत राजा फंस गई मुश्किल में, भूतों की महफिल में।' कविता कृष्णमूर्ती, सुदेश भोसले की आवाज में यह गाना मनोरंजक है। 'हाउसफुल-4' का 'द भूत सॉन्ग।' अलग-थलग अंदाज वाले गाने का रिमिक्स वर्जन है। मिका सिंह, फरहाद द्वारा गाए इस रैपनुमा गाने में बड़े, खर्चीले सेट और कई स्टार दिखाए गए हैं। इस दिलचस्प गाने को देखते-सुनते समय डर तो नहीं लगता, हां मजा जरूर आता है। इसीलिए यह गाना काफी हिट भी रहा।

**हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का फंडाः** हॉरर फिल्मों में दिल दहला देने वाले दृश्य देखकर दर्शक कई बार अचंभित-भयभीत होते हैं। डर के मारे रोमांचित भी होते हैं। उसी समय उनका ध्यान कंवर्ट करने के लिए कॉमेडी सींस दिखाए जाते हैं। इससे वे भयमुक्त होकर हंसने लगते हैं। यही वजह है कि हॉरर, थ्रिलर, कॉमेडी का कॉम्बिनेशन दर्शकों को लुभा रहा है। इसी कारण धड़ल्ले से इनकी फ्रेंचाइजी फिल्में भी बन रही हैं। जैसे- 'भूल-भुलैया', 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या' आदि। *